लेखाशास्त्र

अध्याय-8: विनिमय विपत्र

SHIVOM CLASSES 8696608541

विनिमय विपत्र

भारतीय पराक्रम्य विलेख अधिनियम 1881 के अनुसार विनिमय विपत्र की परिभाषा इस प्रकार है - "विनिमय विपत्र एक शर्त रहित लिखित आज्ञा पत्र है, जिसमें लिखने वाला किसी व्यक्ति को यह आज्ञा देता है कि वह एक निश्चित राशि या तो स्वयं उसे या उसकी आज्ञानुसार किसी अन्य व्यक्ति को या उस विनिमय-विपत्र के धारक को माँगने पर या एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर दे।"

उपरोक्त परिभाषा के अनुसार विनिमय-विपत्र की निम्नलिखित विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं-

- विनिमय विपत्र लिखित होता है।यह मौखिक नहीं हो सकता।
- इसमें राशि के भुगतान की आज्ञा निहित होती है।
- इसमें शर्त रहित आज्ञा निहित होती है।
- इसमें विपत्र लिखने वाले के हस्ताक्षर होते हैं।
- विनिमय विपत्र में लिखित राशि निश्चित होती है।
- विनिमय विपत्र में भुगतान की तिथि निश्चित होती है। इस विपत्र द्वारा उस व्यक्ति विशेष को आज्ञा दी जाती है, जिसके नाम पर विनिमय विपत्र लिखा जाता है।
- इसमें लिखित निश्चित राशि माँग पर देय अथवा निश्चित समय के बाद दी जाती है।
- अधिनियम के अनुसार इस विलेख पर मुद्रांक होना अनिवार्य है।

विनिमय विपत्र लेनदार द्वारा अपने देनदार पर लिखा जाता है।अत: विनिमय विपत्र का किसी निश्चित व्यक्ति विशेष द्वारा अथवा उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति विशेष द्वारा स्वीकृत होना एक महत्त्वपूर्ण विशेषता है।इस संबंध में यह बात ध्यान देने योग्य है कि विनिमय-विपत्र स्वीकृत होने से पूर्व ड्राफ्ट कहलाता है तथा स्वीकृति के पश्चात ही इसे विनिमय विपत्र कहते हैं।उदाहरण के लिए, अमित ने रोहित को 10,000 रु. का उधार माल बेचा।देय तिथि पर निश्चित भुगतान प्राप्ति हेतु

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अमित ने रोहित पर तीन महीने की अवधि का एक विनिमय विपत्र लिखा।ध्यान देने योग्य बात यह है कि रोहित इस विपत्र को स्वीकृत कर हस्ताक्षरित करेगा तथा स्वीकृति की सूचना अमित को देगा, तभी यह विनिमय-विपत्र कहलाएगा, अन्यथा इसे ड्राफ्ट कहेंगे।

विनिमय-विपत्र के पक्षकार

विनिमय-विपत्र के प्राय: तीन पक्षकार होते हैं

 आहर्ता/बिलकर्त्ता - यह व्यक्ति, जो विपत्र लिखता है तथा उस पर अपने हस्ताक्षर करके एक निश्चित राशि के भुगतान का आदेश देता है, उसे आहर्ता/बिलकर्त्ता कहते हैं।यह व्यक्ति विशेष प्राय: माल का विक्रेता/लेनदार होता है।

 आहार्यी/स्वीकारकर्ता - जिस व्यक्ति पर विनिमय-विपत्र लिखा जाता है अर्थात् वह व्यक्ति जिसे एक निश्चित राशि के भुगतान का आदेश दिया जाता है उसे अहार्यी/स्वीकारकर्त्ता कहते हैं।यह व्यक्ति प्राय: माल का क्रेता अथवा देनदार होता है।

 पानेवाला - वह व्यक्ति जिसे विनिमय-विपत्र का भुगतान मिलता है, विनिमय-विपत्र पानेवाला कहलाता है।आहर्ता/बिलकर्त्ता यदि भुगतान की तिथि तक बिल अपने पास रखता है तब आहर्ता ही भुगतान पानेवाला व्यक्ति होगा।किन्तु निम्न परिस्थितियों में भुगतान पाने वाला व्यक्ति अलग हो सकता है:

(अ) यदि आहर्ता/बिलकर्त्ता विपत्र को भुनवा लेता है तो ऐसी दशा में भुगतान पाने वाला व्यक्ति आहर्ता से भिन्न होगा;

(ब) यदि आहर्ता/बिलकर्त्ता विपत्र को अपने लेनदार के पक्ष में बेचान करता है तो लेनदार राशि पाने वाला व्यक्ति बन जाएगा।

सामान्यतया आहर्ता और भुगतान पानेवाला व्यक्ति एक ही होता है।उस प्रकार आदेशित स्वीकारकर्त्ता और आहार्यी एक ही व्यक्ति होता है।

उदाहरण के लिए ममता ने ज्योति को 10,000 रु. का माल उधार बेचा।तत्पश्चात् ममता ने ज्योति पर तीन माह की भुगतान अवधि के लिए एक विपत्र लिखा।यहाँ पर ममता आहर्ता/बिलकर्त्ता है

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

और ज्योति आहार्यी (स्वीकारकर्ता) है।यदि ममता तीन माह तक विपत्र अपने पास रखकर भुगतान प्राप्त करती है तो ममता भुगतान पाने वाली व्यक्ति मानी जाएगी।किन्तु, यदि ममता इस विपत्र को अपनी एक अन्य लेनदार, रुचि को हस्तांतरित करती है तब रुचि भुगतान पाने वाली व्यक्ति होगी।और यदि ममता इस विपत्र को बैंक से भुनवा लेती है तो बैंक भुगतान पाले वाला व्यक्ति माना जाएगा।

उपर्युक्त विनिमय विपत्र के प्रारूप में ममता आहर्ता और ज्योति आहार्यी है।चूंकि ज्योति ने विपत्र स्वीकृत किया है, इसलिए ज्योति स्वीकारकर्त्ता भी है।मान लीजिए ज्योति के स्थान पर विपत्र को अशोक ने स्वीकृत किया होता तो अशोक स्वीकारकर्त्ता माना जाता।

प्रतिज्ञा-पत्र

भारतीय पराक्रम्य विलेख अधिनियम 1881 के अनुसार प्रतिज्ञा-पत्र एक लिखित हस्ताक्षर सहित विपत्र है।(बैंक या करेंसी नोट नहीं) जिसको लिखने वाला बिना शर्त के एक निश्चित राशि किसी व्यक्ति को अथवा उसके आदेशानुसार किसी अन्य व्यक्ति को अथवा उस विपत्र के धारक को देने की प्रतिज्ञा करता है।किंतु रिर्जव बैंक अॉफ इंडिया के अधिनियम के अनुसार धारक के नाम के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति को प्रतिज्ञा-पत्र का भुगतान गैर-कानूनी है।इसलिए प्रतिज्ञा-पत्र धारक के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति के नाम से प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

उपर्युक्त परिभाषा के आधार पर प्रतिज्ञा-पत्र की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं-

- प्रतिज्ञा-पत्र लिखित होता है।
- इसमें शर्त रहित प्रतिज्ञा की जाती है।
- यह एक निश्चित व्यक्ति विशेष द्वारा लिखा जाता है तथा हस्ताक्षरित होता है।
- इसका भुगतान किसी व्यक्ति विशेष को किया जाता है।
- इसके अग्रभाग पर मुद्रांक का होना अनिवार्य है।

प्रतिज्ञा-पत्र की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि प्रतिर्ज्ञा-पत्र का लेखक ही भुगतान करने की प्रतिज्ञा लेता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रतिज्ञा-पत्र के पक्षकार

प्रतिज्ञा-पत्र में केवल दो पक्षकार होते हैं-

लेखक - यह वह व्यक्ति होता है, जो निश्चित राशि के भुगतान के लिए प्रतिज्ञा-पत्र लिखकर देता है।यह व्यक्ति साधारणतया ऋणी कहलाता है।

पाने वाला - यह वह व्यक्ति होता है, जिसको प्रतिज्ञा-पत्र की राशि का भुगतान किया जाता है।इस व्यक्ति के पक्ष में ही प्रतिज्ञा-पत्र लिखा जाता है।यह व्यक्ति ऋणदाता कहलाता है।

विनिमय-विपत्र और प्रतिज्ञा-पत्र में अन्तर

क्र.सं.	*आधार*	*विनिमय विपत्र*	*प्रतिज्ञा-पत्र*
1.	लेखक	यह लेनदार द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।	यह देनदार द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।
2.	आदेश/प्रतिज्ञा एवं पक्षकार	इसमें भुगतान के लिए एक शर्त रहित आज्ञा होती है। इसमें तीन पक्षकार होते हैं - लेखक, देनदार और पाने वाला।	इसमें भुगतान के लिए लेखक द्वारा शर्त रहित प्रतिज्ञा होती है। इसमें केवल दो पक्षकार होते हैं। लेखक तथा लेनदार
3.	स्वीकृति	इसमें आदेशित व्यक्ति अथवा अदेशानुसार अन्य व्यक्ति द्वारा स्वीकृति अनिवार्य है।	इसमें स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती।
4.	भुगतान पाने वाला	इसमें लेखक और पाने वाला एक ही व्यक्ति हो सकता है।	इसमें लेखक और राशि पाने वाला व्यक्ति भिन्न-भिन्न होते हैं।
5.	नोटिस	विपत्र के अनादरण होने पर धारक द्वारा लेखक को नोटिस दिया जाता है।	इसमें, अनादरण की दशा में, कोई भी नोटिस नहीं दिया जाता।

विनिमय विपत्र के लाभ

आधुनिक व्यापार जगत में विनिमय विपत्र से निम्नलिखित लाभ हैं:

- संबंधों की रूपरेखा : विनिमय विपत्र उधार माल खरीदने की सुविधा प्रदान करता है।इसके परिणामस्वरूप व्यापारी व्यापार बढ़ाने में समर्थ होता है और विक्रेता एवं क्रेता के बीच एक संबंध स्थापित होता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- निश्चित शर्तें : विनिमय विपत्रों की सहायता से व्यापारी यह जान लेता है कि अमुक तिथि तक व्यापारी को कितनी धनराशि प्राप्त होगी अथवा भुगतान करना होगा।इसका मूल कारण लेनदार और देनदार के मध्य लिखित शर्ताें से संबंधित है जैसे कि भुगतान की राशि, भुगतान की तिथि, ब्याज का भुगतान, यदि है तो, भुगतान का स्थान आदि विपत्र पर स्पष्ट रूप से लिखा जाता है।
- उधार का सुविधाजनक माध्यम: यह आवश्यक नहीं होता कि माल का क्रय करते समय व्यापारी नकद भुगतान ही करे।वह उधार माल खरीद कर विपत्र स्वीकार कर सकता है।
- हालाँकि अतिरिक्त धन की आवश्यकता अनुभव करने पर विपत्र को बैंक से बट्टागत
- धनराशि प्राप्त की जा सकती है या तृतीय पक्ष की ओर विपत्र का बेचान किया जा सकता है।
- निर्णायक प्रमाण : विनिमय विपत्र एक कानूनी दस्तावेज है।जिसका आशय यह है कि व्यापारिक सौदे के तहत खरीददार बिक्रीदाता से उधार माल खरीदता है, अत: वह विक्रेता को भुगतान करने के लिए बाध्य है।अस्वीकृति की स्थिति में लेनदार नोटरी से निर्णायक प्रमाण लेकर न्यायालय की सहायता से भुगतान वसूल कर सकता है।
- सरल हस्तांतरण : ऋणों का भुगतान विनिमय पत्र के बेचान अथवा सुपुर्दगी द्वारा की जा सकती है।

विपत्र की परिपक्वता

परिपक्वता तिथि से आशय उस तिथि से है जिस दिन विनिमय-विपत्र या प्रतिज्ञा-पत्र भुगतान के लिए देय होता है।भुगतान की तिथि विपत्र की अवधि में तीन दिन, जो रियायती दिन कहलाते हैं, जोड़कर निकाली जाती है।

अत: यदि एक विपत्र 30 दिन की भुगतान अवधि पर 5 मार्च को लिखा जाता है तो उसकी परिपक्वता तिथि 7 अप्रैल होगी, अर्थात् 5 मार्च से 33 दिन।यदि भुगतान की अवधि एक माह है, तो परिपक्वता तिथि 8 अप्रैल होगी अर्थात् 5 मार्च से एक माह और तीन दिन।यदि परिपक्वता तिथि के दिन सार्वजनिक अवकाश होता है तो साख-पत्र एक दिन पूर्व देय होगा।एसी स्थिति में यदि 8 अप्रैल (परिपक्वता तिथि) सार्वजनिक अवकाश है तो 7 अप्रैल परिपक्वता तिथि मानी जाएगी।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

यदि भारतीय पराक्रम्य विलेख अधिनियम 1881 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा आकस्मिक अवकाश घोषित किया जाता है जो साख-पत्र के लिए परिपक्वता तिथि है, तो एेसी स्थिति में अगला कार्य दिवस परिपक्वता तिथि माना जाएगा।

उदाहरण के लिए गुप्ता द्वारा वर्मा पर 20,000 रु. का विपत्र प्रस्तुत किया गया जिसकी परिपक्वता तिथि 8 अप्रैल थी।किन्तु, यदि पराक्रम्य विलेख अधिनियम के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 8 अप्रैल आकस्मिक अवकाश घोषित किया जाता है, तो एेसी स्थिति में 9 अप्रैल परिपक्वता तिथि मानी जायगी।

विपत्र को बट्टागत (भुनाना) कराना

यदि विपत्र के धारक को धन की आवश्यकता होती है।तब वह देय तिथि से पूर्व उसे बैंक से भुनवा सकता है।इस स्थिति में बैंक विपत्र का भुगतान नाम मात्र कटौती के पश्चात (जिसे बट्टा कहते हैं) विपत्र धारक को करता है।इस विपत्र के नकदीकरण की प्रक्रिया को विपत्र का भुनाना कहते हैं।बैंक आहार्यी से देय तिथि पर विपत्र को भुगतान की प्राप्ति करता है।

विनिमय-विपत्र का बेचान

विनिमय-विपत्र का बेचान संभव है।विपत्र का धारक भुगतान के लिए अपने किसी भी लेनदार को विपत्र का बेचान कर सकता है।विपत्र के धारक द्वारा बिल का हस्तांतरण संभव है सिवाय इसके कि हस्तांतरण पर प्रतिबंध हो अर्थात् बिल पर हस्तांतरण प्रतिबंध संबंधी शब्दों का प्रयोग किया गया हो।

लेखांकन व्यवहार

वह व्यक्ति जिसके द्वारा विनिमय-विपत्र लिखा जाता है और स्वीकृति के बाद उसके पास वापिस आ जाता है, तो एसी स्थिति में विपत्र उस व्यक्ति विशेष के लिए प्राप्य विपत्र बन जाता है।जो व्यक्ति उस विपत्र पर अपनी स्वीकृति देता है उसके लिए वह विपत्र देय विपत्र होता है।प्रतिज्ञा-विपत्र की स्थिति में लेखक के लिए देय नोट और स्वीकारकर्त्ता के लिए प्राप्य नोट होता है।प्राप्य विपत्र

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

परिसंपत्ति होती है और देय विपत्र दायित्व होते हैं।विपत्र और नोट का प्रयोग अदल-बदल कर किया जा सकता है।

आहर्ता/बिलकर्त्ता की पुस्तक में प्रविष्टियाँ

एक प्राप्य विपत्र का लेखांकन व्यवहार निम्नलिखित प्रकार से प्राप्तकर्ता द्वारा किया जा सकता है:

परिपक्वता तिथि तक रखना:

(अ) परिपक्वता तिथि तक अपने पास रख कर भुगतान प्राप्त करना।

(ब) बैंकर द्वारा भुगतान प्राप्त करना।

- बैंक से विपत्र को भुनाना।
- लेनदार के पक्ष में विपत्र का बेचान करना

उपर्युक्त अवस्थाओं के लिए प्राप्तकर्त्ता की पुस्तक में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाएंगी।यह इस मान्यता पर आधारित है कि विपत्र का भुगतान परिपक्वता तिथि पर होगा।

1. (अ) जब विनिमय विपत्र प्राप्तकर्ता परिपक्वता तिथि तक अपने पास रखता है।

विपत्र प्राप्त होने पर

प्राप्य विपत्र खाता		नाम

देनदार खाते से

विपत्र की परिपक्वता पर

रोकड़/बैंक खाता		नाम

जब प्राप्तकर्त्ता विपत्र अपने पास रखता है और परिपक्वता तिथि से पूर्व विपत्र को बैंक में संग्रह हेतु भेजता है तो एसी स्थिति में निम्नलिखित दो प्रविष्टियाँ की जाती हैं:

विपत्र को संग्रह हेतु भेजना

विपत्र को संग्रह हेतु भेजना

विपत्र को संग्रह हेतु भेजना खाता		नाम
प्राप्य विपत्र खाते से		

बैंक से राशि प्राप्ति की सूचना मिलने पर

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

बैंक से राशि प्राप्ति की सूचना मिलने पर

बैंक खाता	नाम
विपत्र संग्रह हेतु भेजना खाते से	

2. प्राप्तकर्त्ता द्वारा बैंक से विपत्र भुनाने पर

विपत्र प्राप्त होने पर

विपत्र प्राप्त होने पर	
प्राप्य विपत्र खाता	नाम
देनदार खाते से	
विपत्र को भुनाने (बट्टागत कराने पर)पर	
बैंक खाता	नाम
विपत्र पर छूट खाता	नाम
प्राप्य विपत्र खाते से	

परिपक्वता पर

कोई प्रविष्टि नहीं

(क्योंकि विपत्र बैंक की परिसंपत्ति बन जाती है और बैंक द्वारा स्वीकारकर्त्ता से वसूली की जाती है इसलिए पुस्तक में प्रविष्टि नहीं की जाएगी)।

3. प्राप्तकर्त्ता द्वारा अपने लेनदार के पक्ष में विपत्र का बेचान

विपत्र प्राप्त होने पर

विपत्र प्राप्त होने पर	
प्राप्य विपत्र खाता	नाम
देनदार खाते से	
विपत्र के बेचान पर	
लेनदार खाता	नाम
प्राप्य विपत्र खाते से	

परिपक्वता पर

कोई प्रविष्टि नहीं

(क्योंकि विपत्र का हस्तांतरण लेनदार के पक्ष में किया गया है, इसलिए लेनदार द्वारा परिपक्वता तिथि को भुगतान प्राप्त होगा। अत: प्राप्तकर्त्ता की पुस्तक में कोई प्रविष्टि नहीं की जाएगी)

स्वीकारकर्त्ता/प्रतिज्ञाकर्त्ता की पुस्तक

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उपर्युक्त अवस्थाओं में स्वीकारकर्त्ता की पुस्तक में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाएंगी। इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि विपत्र को अपने पास रखा गया है, भुनाया गया है अथवा बेचान किया गया है।

विपत्र की स्वीकृति पर
लेनदार खाता नाम
देय विपत्र खाते से
विपत्र के परिपक्वता पर
देय विपत्र खाता नाम
बैंक खाते से

1. जब आहर्ता परिपक्वता तिथि तक विपत्र स्वयं पास रखता है और स्वयं संग्रहित करके राशि प्राप्त करता है।

लेन-देन	*लेनदार/आहर्ता की पुस्तक*	*देनदार/स्वीकारकर्त्ता की पुस्तक*
माल का क्रय/विक्रय	देनदार खाता नाम विक्रय खाते से	क्रय खाता नाम लेनदार खाते से
विपत्र की प्राप्ति/स्वीकृति	प्राप्य विपत्र खाता नाम देनदार खाते से	लेनदार खाता नाम देय विपत्र खाते से
विपत्र की वसूली	रोकड़/बैंक खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से	देय विपत्र खाता नाम बैंक खाते से

2. जब आहर्ता विपत्र स्वयं के पास रखता है और परिपक्वता तिथि से कुछ दिन पूर्व संग्रह हेतु बैंक भेजता है।

लेन देन	*लेनदार/आहर्ता की पुस्तक*	*देनदार/स्वीकारकर्त्ता की पुस्तक*
माल का क्रय/विक्रय	देनदार खाता नाम विक्रय खाते से	क्रय खाता नाम लेनदार खाते से
विपत्र प्राप्ति/स्वीकार करना	प्राप्य विपत्र खाता नाम देनदार खाते से	लेनदार खाता नाम देय विपत्र खाते से
विपत्र संग्रह हेतु बैंक भेजना	विपत्र संग्रह हेतु भेजना खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से	कोई प्रविष्टि नहीं
बैंक से भुगतान प्राप्ति की सूचना प्राप्त कारना	बैंक खाता नाम विपत्र संग्रह हेतु भेजना खाते से	देय विपत्र खाता नाम बैंक खाते से

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. जब आहर्ता/बिलकर्त्ता विपत्र बैंक से भुनाता है।

लेनदेन	*लेनदार/आहर्ता की पुस्तक*	*देनदार/ स्वीकारकर्त्ता की पुस्तक*
माल का क्रय/विक्रय	देनदार खाता नाम विक्रय खाते से	क्रय खाता नाम लेनदार खाते से
विपत्र की प्राप्ति/स्वीकृति	प्राप्य विपत्र खाता नाम देनदार खाते से	लेनदार खाता नाम देय विपत्र खाते से
विपत्र भुनाना	बैंक खाता नाम विपत्र पर बट्टा खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से	कोई प्रविष्टि नहीं
विपत्र का परिपक्वता	कोई प्रविष्टि नहीं	देय विपत्र खाता नाम बैंक खाते से

4. लेखक द्वारा लेनदार को विपत्र का बेचान

लेन-देन	*लेनदार/आहर्ता की पुस्तक*	*देनदार/स्वीकारकर्त्ता की पुस्तक*
माल का क्रय/विक्रय	देनदार खाता नाम विक्रय खाते से	क्रय खाता नाम लेनदार खाते से
विपत्र की प्राप्ति/स्वीकार करना	प्राप्य विपत्र खाता नाम देनदार खाते से	लेनदार खाता नाम देय विपत्र खाते से
विपत्र का बेचान	लेनदार खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से	कोई प्रविष्टि नहीं
विपत्र का परिपक्वता	कोई प्रविष्टि नहीं	देय विपत्र खाता नाम बैंक खाते से

SHIVOM CLASSES 8696608541

उदाहरण 1

1 जनवरी, 2017 को अमित ने सुमित को 20,000 रु. का उधार माल बेचा और तीन माह की अवधि का एक विपत्र सुमित पर लिखा। सुमित ने विपत्र स्वीकार किया और अमित को वापिस भेज दिया। परिपक्वता तिथि पर सुमित ने विपत्र का भुगतान कर दिया।

निम्नवत अवस्थाओं के संदर्भ में इन व्यवहारों की प्रविष्टियाँ अमित और सुमित की पुस्तकों में कीजिए-

(i) यदि अमित परिपक्वता तिथि तक विपत्र अपने पास रखता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ii) यदि अमित 12% प्रति वर्ष दर से विपत्र को बैंक से भुना लेता है।

(iii) यदि अमित द्वारा अंकित को विपत्र का बेचान किया जाता है।

(iv) यदि 31 मार्च, 2017 को अमित विपत्र अपने बैंकर को संग्रह हेतु भेजता है और 5 अप्रैल 2017 को विपत्र भुगतान की सूचना प्राप्त होती है।

हल

अमित की पुस्तक

रोजनामचा

(i) जब अमित परिपक्वता तिथि तक विपत्र अपने पास रखता है।

तिथि 2017	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
01 जनवरी	सुमित का खाता नाम विक्रय खाते से (सुमित को माल का उधार विक्रय)		20,000	20,000
01 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता नाम सुमित के खाते से (सुमित ने विपत्र स्वीकार किया)		20,000	20,000
01 जनवरी	बैंक खाता नाम बट्टा खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से (विपत्र को बैंक से भुनाना)		19,400 600	20,000

(ii) जब अमित विपत्र को बैंक से भुनवा लेता है।

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
01 जनवरी	सुमित का खाता	नाम		20,000	
	विक्रय खाते से				20,000
	(सुमित को उधार विक्रय)				
01 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता	नाम		20,000	
	सुमित के खाते से				20,000
	(सुमित ने विपत्र स्वीकार किया)				
01 जनवरी	अंकित का खाता	नाम		20,000	
	प्राप्य विपत्र खाते से				20,000
	(अंकित के पक्ष में विपत्र को भुगतान)				

(iii) जब अमित विपत्र अंकित (लेनदार) के पक्ष बेचान करता है।

रोजनामचा

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
01 जनवरी	सुमित का खाता	नाम		20,000	
	विक्रय खाते से				20,000
	(सुमित को उधार विक्रय)				
01 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता	नाम		20,000	
	सुमित के खाते से				20,000
	(सुमित ने विपत्र स्वीकार किया)				
01 जनवरी	अंकित का खाता	नाम		20,000	
	प्राप्य विपत्र खाते से				20,000
	(अंकित के पक्ष में विपत्र को भुगतान)				

(iv) अमित द्वारा विपत्र वसूली के लिए बैंक में भेजा गया।

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
01 जनवरी	सुमित का खाता विक्रय खाते से (सुमित को माल का उधार क्रय)	नाम		20,000	20,000
01 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता सुमित के खाते से (सुमित ने विपत्र स्वीकार किया)	नाम		20,000	20,000
31 मार्च	विपत्र संग्रह के लिए भेजना खाता प्राप्य विपत्र खाते से (विपत्र की वसूली के लिए भेजना)	नाम		20,000	20,000
5 अप्रैल	बैंक खाता विपत्र संग्रह के लिए भेजना खाते से (विपत्र की वसूली)	नाम		20,000	20,000

सभी अवस्थाओं में सुमित की पुस्तक में निम्नवत् प्रविष्टियाँ की जाएगी।

सुमित की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
1 जनवरी	क्रय खाता अमित के खाते से (अमित से उधार क्रय)	नाम		20,000	20,000
1 जनवरी	अमित खाता देय विपत्र खाते से (तीन माह की अवधि के लिए स्वीकृत प्राप्त)	नाम		20,000	20,000
4 अप्रैल	देय विपत्र खाता बैंक खाते से (परिपक्वता पर भुगतान)	नाम		20,000	20,000

उदाहरण 2

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

15 मार्च, 2017 को रमेश ने दीपक को 8,000 रु. का माल उधार बेचा तथा उक्त राशि के लिए तीन माह की अवधि का दीपक पर एक विपत्र लिखा।15 अप्रैल को रमेश ने अपनी लेनदार पूनम के पक्ष में 8,250 रुपए के पूर्ण भुगतान के रूप में विपत्र का बेचान किया 15 मई को पूनम ने 12% प्रति वर्ष की दर से विपत्र को भुना लिया।परिपक्वता तिथि पर दीपक ने विपत्र का भुगतान कर दिया।रमेश, दीपक और पूनम के रोजनामचों में प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल

रमेश की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि 2017	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*नाम राशि रु.*	*जमा राशि रु.*
15 मार्च	दीपक का खाता नाम विक्रय खाते से (दीपक को उधार माल बेचा)		8,000	8,000
15 मार्च	प्राप्य विपत्र खाता नाम दीपक के खाते से (दीपक ने विपत्र पर स्वीकृति दी)		8,000	8,000
15 अप्रैल	पूनम का खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से बट्टा प्राप्ति खाते से (विपत्र का पूनम को बेचान तथा 8,250 रु. का पूर्ण भुगतान)		8,250	8,000 250

दीपक की पुस्तक

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
5 मार्च	क्रय खाता	नाम		8,000	
	रमेश के खाते से				8,000
	(रमेश से माल का उधार क्रय)				
5 मार्च	रमेश का खाता	नाम		8,000	
	देय विपत्र खाते से				8,000
	(रमेश को विपत्र पर स्वीकृति भेजी गई)				
18 जून	क्रय विपत्र खाता	नाम		8,000	
	बैंक खाते से				8,000
	(परिपक्वता तिथि पर भुगतान किया गया)				

पूनम की पुस्तक

रोजनामचा

दिनांक 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम	जमा
15 मार्च	प्राप्य विपत्र खाता	नाम		8,000	
	विपत्र पर बट्टा खाता	नाम		250	
	रमेश के खाते से				8,250
	(रमेश द्वारा पूनम को विपत्र का बेचान)				
5 मार्च	बैंक खाता	नाम		7,920	
	विपत्र पर बट्टा खाता	नाम		80	
	प्राप्य विपत्र खाते से				8,000
	(विपत्र को बैंक से भुनाया गया)				

विनिमय-विपत्र का अनादरण

जब विपत्र का स्वीकारकर्त्ता परिपक्वता तिथि पर विपत्र भुगतान नहीं करता है तो इसे विपत्र का अनादरण कहते हैं।विपत्र के अनादृत होने पर उसके धारक को विपत्र के सभी पक्षों को अनादरण सूचना देनी होती है अन्यथा सूचना नहीं पाने वाले पक्षकार अपने दायित्व से मुक्त हो जाते हैं।एसी स्थिति में विपत्र प्राप्ति की विपरीत प्रविष्टि की जाती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उदाहरण के लिए, अंजू द्वारा लिखा विपत्र मंजू ने स्वीकार किया।भुगतान तिथि पर विपत्र अनादृत होता है।तो ऐसी स्थिति में मंजू की पुस्तक में निम्नलिखित लेखे किए जाएँगे:

जब अंजू परिपक्वता तिथि तक विपत्र अपने पास रखती है

मंजू का खाता	नाम
प्राप्य विपत्र खाता से	
जब अंजू संध्या को विपत्र का बेचान करती है	
मंजू का खाता	नाम
संध्या के खाते से	
जब अंजू विपत्र को बैंक में भुनाती है	
मंजू का खाता	नाम
बैंक खाते से	
जब अंजू विपत्र संग्रह हेतु भेजती है	
मंजू का खाता	नाम
विपत्र संग्रह हेतु भेजना खाते से	

उदाहरण 3

1 जनवरी, 2017 को विशाल ने शीबा से 10,000 रु. का उधार माल खरीदा।शीबा ने विशाल पर दो माह की अवधि का विपत्र लिखा जिसे विशाल द्वारा स्वीकृत किया गया है।परिपक्वता तिथि पर विशाल द्वारा विपत्र का अनादरण होता है।निम्न परिस्थितियों में शीबा और विशाल की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ कीजिए:

जब परिपक्वता तिथि तक शीबा विपत्र को अपने पास रखती है।

जब शीबा अपने बैंक से विपत्र को 200 रु. पर भुनाती है।

जब शीबा लाल चंद को विपत्र का बेचान करती है।

हल

(i) जब शीबा परिपक्वता तिथि तक विपत्र अपने पास रखती है।

शीबा की पुस्तक

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
1 जनवरी	विशाल का खाता विक्रय खाते से (विशाल द्वारा माल का क्रय)	नाम		10,000	10,000
1 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता विशाल के खाते से (विशाल विपत्र पर अपनी स्वीकृति देता है)	नाम		10,000	10,000
4 मार्च	विशाल का खाता प्राप्य-विपत्र खाते से (विशाल विपत्र का अनादरण करता है)	नाम		10,000	10,000

- जब शीबा विपत्र बैंक से भुनाती है।

रोजनामचा

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
1 जनवरी	विशाल का खाता विक्रय खाते से (विशाल द्वारा माल का क्रय)	नाम		10,000	10,000
1 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता विशाल के खाते से (विशाल द्वारा विपत्र पर स्वीकृति)	नाम		10,000	10,000
1 जनवरी	बैंक खाता विपत्र पर बट्टा का खाता प्राप्य विपत्र खाते से (विपत्र का बैंक से भुनाना)	नाम नाम		9,800 200	10,000
4 मार्च	प्राप्य विपत्र खाता बैंक खाते से (विशाल द्वारा विपत्र का अनादरण)	नाम		10,000	10,000

- **जब शीबा लालचंद को विपत्र बेचान करती है।**

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण	ब.पृ.सं.		नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
1 जनवरी	विशाल का खाता	नाम		10,000	
	विक्रय खाते से				10,000
	(विशाल द्वारा माल का क्रय)				
1 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता	नाम		10,000	
	विशाल के खाते से				10,000
	(विपत्र पर विशाल की स्वीकृति)				
1 जनवरी	लाल चंद का खाता	नाम		10,000	
	प्राप्य विपत्र खाते से				10,000
	(लाल चंद को विपत्र का बेचान)				
4 मार्च	प्राप्य विपत्र खाता	नाम		10,000	
	लाल चंद खाते से				10,000
	(भुगतान तिथि पर विपत्र का अनादरण)				

उपरोक्त अवस्थाओं में विशाल की पुस्तक में निम्न प्रविष्टियाँ की जाएँगी

विशाल की पुस्तक

रोजनामचा

दिनांक 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
1 जनवरी	क्रय खाता	नाम		10,000	
	शीबा के खाते से				10,000
	(शीबा द्वारा माल का विक्रय)				
1 जनवरी	शीबा के खाते से	नाम		10,000	
	देय विपत्र खाता				10,000
	(शीबा द्वारा लिखे विपत्र पर स्वीकृति प्राप्त)				
4 मार्च	देय विपत्र खाता	नाम		10,000	
	शीबा के खाते से				10,000
	(भुगतान तिथि पर विपत्र का अनादरण)				

निकराई व्यय

जब विपत्र का भुगतान प्राप्त नहीं होता है तब यह प्रमाणित करने के लिए कि विपत्र का भुगतान प्राप्त नहीं हो सका है, आहर्ता/बिलकर्त्ता द्वारा इस संबंध में कार्यवाही की जाती है।विनिमय विपत्र

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

के अनादरण होने का प्रमाण लेना आवश्यक होता है।विपत्र के उचित प्रस्तुतीकरण से आशय है कि बिल को परिपक्वता तिथि पर स्वीकारकर्त्ता के समक्ष व्यावसायिक कार्यकारी घंटों के दौरान प्रस्तुत किया जाना।विपत्र का अनादरण विपत्रालोकी (नोटरी पब्लिक) की उपस्थिति में कराया जाता है।यह अधिकारी विपत्र के पीछे यह प्रमाणित करता है कि मेरी उपस्थिति में विपत्र भुगतान के लिए पेश किया गया था लेकिन स्वीकारकर्ता द्वारा विपत्र का अनादरण किया गया।नोटरी पब्लिक अधिकारी अपने हस्ताक्षर करके विपत्र पर सील लगा देता है।एसा करने से अनादरण का तथ्य स्वत: ही सिद्ध हो जाता है।इस अधिकारी को दिया गया शुल्क निकराई व्यय कहलाता है।

निम्नलिखित तथ्य नोटरी पब्लिक द्वारा प्रमाणित किए जाते हैं:

- अनादरण होने का दिनांक, तथ्य एवं कारण;
- यदि विपत्र के अनादरण का खुलासा नही हो पाया है तो अनादरण के कारण व्यक्त करना;
- निकराई व्यय की राशि।

आहर्ता/बिलकर्त्ता की लिखने वाले की पुस्तकों में विभिन्न परिस्थितियों में निकराई व्यय के निम्नलिखित लेखे किए जाते हैं –

- जब आहर्ता स्वयं निकराई व्यय देता है

स्वीकारकर्त्ता	खाता	नाम
रोकड़	खाते से	

- जब बेचानकर्त्ता निकराई व्यय देता है

स्वीकारकर्त्ता	खाता	नाम
बेचानकर्त्ता	के खाते से	

- जब बैंक भुनाए गए विपत्र पर निकराई व्यय देता है

स्वीकारकर्ता	खाता	नाम
बैंक	खाते से	

- विपत्र को बैंक में संग्रह हेतु भेजे जाने की स्थिति में, बैंक द्वारा निकराई व्यय का भुगतान

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

स्वीकारकर्ता खाता नाम
बैंक खाते से

उपर्युक्त सभी अवस्थाओं में ध्यान देने योग्य बात यह है कि चाहे किसी भी पक्ष द्वारा निकराई व्यय किए जाएँ, एेसे व्यय का भार स्वीकारकर्त्ता पर ही रहता है।इसका कारण यह है कि स्वीकारकर्त्ता द्वारा विपत्र का अनादरण हुआ है, अत: उसे ही इन व्ययों का भुगतान करना पड़ेगा।इस संदर्भ में स्वीकारकर्त्ता अपनी पुस्तक में 'निकराई व्यय खाता' खोलता है वह निकराई व्यय खाते को नाम तथा आहर्ता/बिलकर्त्ता खाते को जमा करता है।उदाहरणतया: आजाद ने बंटी को 15,000 रुपए का माल बेचा और तत्काल तीन माह की अवधि के लिए 1 जनवरी, 2017 को एक विपत्र लिखा।परिपक्वता तिथि पर विपत्र अनाहत होने पर धारक द्वारा 50 रुपए निकराई व्यय के भुगतान हेतु आजाद और बंटी की पुस्तकों में निम्नवत् प्रविष्टियाँ की जाएँगी:

• जब आजाद विपत्र स्वयं परिपक्वता तिथि तक रखता है।

• जब आजाद बैंक से 12% प्रतिवर्ष की दर से विपत्र भुनाता है।

• जब आजाद चित्रा को विपत्र का बेचान करता है।

आजाद की पुस्तक में प्रविष्टियाँ इस प्रकार होगी:

आजाद की पुस्तक

रोजनामचा

- **जब आजाद विपत्र स्वयं के पास परिपक्वता तिथि तक रखता है।**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
01 जनवरी	बंटी का खाता विक्रय खाते से (बंटी से उधार माल खरीदा)	नाम		15,000	15,000
01 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता बंटी खाते से (बंटी से स्वीकृति प्राप्त हुई)	नाम		15,000	15,000
04 अप्रैल	बंटी का खाता प्राप्य विपत्र खाते से रोकड़ खाते से (बंटी द्वारा विपत्र का अनादरण और 50 रु. निकराई व्यय का भुगतान)	नाम		15,050	15,000 50

रोजनामचा

जब अजाद ने विपत्र बैंक से भुनाया।

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
01 जनवरी	बंटी का खाता विक्रय खाते से (बंटी द्वारा उधार क्रय)	नाम		15,000	15,000
01 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता बंटी के खाते से (विपत्र पर स्वीकृति प्राप्त)	नाम		15,000	15,000
01 जनवरी	बैंक खाता बट्टा खाता प्राप्य विपत्र खाते से (विपत्र को बैंक से बट्टागत कराया गया)	नाम नाम		14,550 450	15,000
04 अप्रैल	बंटी का खाता बैंक खाते से (भुगतान तिथि पर विपत्र का अनादरण और निकराई व्ययों का बैंक द्वारा भुगतान)	नाम		15,050	15,050

चित्रा को विपत्र का बेचान

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
01 जनवरी	बंटी का खाता विक्रय खाते से (बंटी द्वारा उधार क्रय)	नाम		15,000	15,000
01 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता बंटी का खाते से (बंटी की स्वीकृति प्राप्त)			15,000	15,000
01 जनवरी	चित्रा का खाता प्राप्य विपत्र खाते से (विपत्र का अनादरण)	नाम		15,000	15,000
04 अप्रैल	बंटी का खाता चित्रा का खाते से (बंटी द्वारा विपत्र का अनादरण और चित्रा द्वारा निकराई व्यय का भुगतान)	नाम		15,050	15,050

तीनों परिस्थितियों में बंटी की पुस्तक में निम्न प्रविष्टियाँ की जाएँगी।

बंटी की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
01 जनवरी	क्रय खाता आजाद के खाते से (आजाद से उधार क्रय)	नाम		15,000	15,000
01 जनवरी	आजाद का खाता देय विपत्र खाते से (विपत्र पर स्वीकृति)	नाम		15,000	15,000
04 अप्रैल	देय विपत्र खाता निकराई व्यय खाता आजाद के खाते से (विपत्र का अनादरण)	नाम		15,000 50	15,050

विपत्र का नवीनीकरण

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कई बार एसी स्थिति हो जाती है कि विपत्र स्वीकार करने वाला विपत्र का भुगतान परिपक्वता तिथि पर नहीं कर पाता है।एसी दशा में वह विपत्र के अनादरण की अपेक्षा आहर्ता को देय तिथि से पूर्व विपत्र को रद्द करने तथा नया विपत्र आगे की अवधि के लिए लिखने का अनुरोध करता है।इस प्रक्रिया को विनिमय विपत्र नवीनीकरण कहते हैं।वह इस नए विपत्र को स्वीकृति देकर आहर्ता को वापिस दे देता है।नए विपत्र की अवधि, ब्याज की दर आदि शर्तें आहर्ता/बिलकर्त्ता और स्वीकारकर्त्ता आपस में तय कर लेते हैं।ब्याज की राशि या तो नकद दे दी जाती है और यदि इसका प्रबंध न हो सके तो इसे भी विपत्र की रकम में जोड़ दिया जाता है।कई बार स्वीकारकर्त्ता आंशिक राशि का भुगतान करता हैऔर अतिरिक्त राशि के लिए विपत्र का नवीनीकरण कराता है।उदाहरण के लिए, एक विपत्र 10,000 रु. के लिए प्रस्तुत किया गया।यदि स्वीकारकर्त्ता केवल 3,000 रु. का प्रबंध कर सका तो एेसी स्थिति में 7,000 रु. का नया विपत्र ब्याज की राशि के साथ लिखा जा सकता है।आहर्ता और स्वीकारकर्त्ता की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ विपत्र के अनादरण के समान की जाएगी।यदि ब्याज की राशि नकद में दी जाती है तो इसे आय माना जाता है।यदि ब्याज की राशि नकद नहीं दी जाती तो एसी स्थिति में आहर्ता/बिलकर्त्ता स्वीकारकर्त्ता के खाते को नाम और ब्याज खाते में जमा करेगा।स्वीकारकर्त्ता ब्याज को नाम और लेखक के खाते को जमा करेगा।

लेखक और स्वीकारकर्त्ता की पुस्तकों में निम्नलिखित प्रविष्टयाँ की जाएँगी

लेन-देन	*आहर्ता की पुस्तक*	*स्वीकारकर्त्ता की पुस्तक*
विपत्र रद्द करना	स्वीकारकर्त्ता खाता नाम प्राप्त विपत्र खाते से	देय विपत्र खाता नाम आहर्ता खाते से
ब्याज की राशि	स्वीकारकर्त्ता खाता नाम ब्याज खाते से	ब्याज खाता नाम आहर्ता खाते से
नया विपत्र लिखना	प्राप्य विपत्र खाता नाम स्वीकारकर्त्ता खाते से	आहर्ता खाता नाम देय विपत्र खाते से

मान लीजिए, 1 फरवरी, 2017 को रवि ने मोहन को 18,000 रु. का उधार माल बेचा।मोहन ने 3,000 रु. का तत्काल नकद भुगतान किया तथा शेष राशि के लिए तीन माह की अवधि का विपत्र स्वीकार किया।परिपक्वता तिथि पर मोहन ने रवि से पुराना विपत्र रद्द करने और उसके स्थान पर दो माह की अवधि का नया विपत्र लिखने का अनुरोध किया।मोहन ने 12% प्रतिवर्ष की दर से नकद ब्याज देने का निर्णय लिया।मोहन के अनुरोध पर रवि ने पुराना विपत्र रद्द कर नया विपत्र

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लिखा।परिपक्वता तिथि पर मोहन ने विपत्र का भुगतान कर दिया।इस संदर्भ में रवि और मोहन की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ इस प्रकार की जाएँगी:

रवि की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि 2017	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*नाम राशि रु.*	*जमा राशि रु.*
1 फरवरी	मोहन का खाता नाम		18,000	
	विक्रय खाते से			18,000
	(मोहन को उधार माल बेचा)			
1 फरवरी	रोकड़ खाता नाम		3,000	
	प्राप्य विपत्र खाता नाम		15,000	
	मोहन के खाते से			18,000
	(मोहन ने 3,000 रु. का नकद भुगतान किया और शेष राशि के लिए विपत्र स्वीकार किया।)			
1 मई	मोहन का खाता नाम		15,300	
	प्राप्य विपत्र खाते से			15,000
	ब्याज प्राप्ति खाते से			300
	(पुराना विपत्र रद्द किया गया और 300 रु. ब्याज राशि का भुगतान किया)			

मोहन की पुस्तक

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण	ब.पृ.सं.		नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
1 फरवरी	क्रय खाता	नाम		18,000	
	रवि का खाते से				18,000
	(रवि से उधार माल खरीदा)				
1 फरवरी	रवि का खाता	नाम		18,000	
	रोकड़ खाते से				3,000
	प्राप्य विपत्र खाते से				15,000
	(रवि को 3,000 रु. का नकद भुगतान किया और शेष राशि का विपत्र स्वीकार किया)				
4 मई	देय विपत्र खाता	नाम		15,000	
	ब्याज खाता	नाम		300	
	रवि के खाते से				15,300
	(पुराना विपत्र रद्द किया और 300 रु. ब्याज राशि का भुगतान किया)				
4 मई	रवि का खाता	नाम		15,000	
	देय विपत्र खाते से				15,000
	रोकड़ खाते से				300
	(नया विपत्र स्वीकार किया)				
7 जुलाई	देय विपत्र खाता	नाम		15,000	
	बैंक खाते से				15,000
	(परिपक्वता तिथि पर विपत्र का भुगतान)				

विनिमय विपत्र का परिपक्वता तिथि से पूर्व भुगतान

कभी-कभी आहर्ता और स्वीकारकर्त्ता की आपसी सहमति से विपत्र का भुगतान परिपक्वता तिथि से पूर्व कर दिया जाता है।ऐसा तब होता है जब स्वीकारकर्त्ता के पास पर्याप्त धनराशि होती है और वह विपत्र की राशि का परिपक्वता तिथि से पहले भुगतान करने का निश्चय करता है।वह इसकी जानकारी विपत्र के लेखक को देता है और यदि उसे लेखक की स्वीकृति प्राप्त हो जाती है तो वह किसी भी दिन विपत्र का भुगतान कर देता है।चूँकि स्वीकारकर्त्ता राशि का देय तिथि से पूर्व भुगतान करता है इस कारण वह जितने दिन पूर्व भुगतान करता है उतने दिन का ब्याज विनिमय विपत्र की राशि में से घटा कर, शेष राशि आहर्ता को देता है।परिपक्वता तिथि से पूर्व विपत्र के भुगतान को प्रोत्साहित करने हेतु आहर्ता/बिलकर्त्ता विपत्र पर एक निश्चित बट्टा प्रदान करता है जिसे विपत्र पर छूट कहते हैं।छूट की राशि का निर्धारण एक निश्चित ब्याज दर पर किया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

समान्य परिस्थितियों में, परिपक्वता तिथि से पूर्व विपत्र के भुगतान का लेखांकन व्यवहार देय तिथि पर विपत्र के भुगतान के समान ही होता है।दोनो मदों के मध्य केवल छूट प्राप्ति लेखांकन व्यवहार का ही अंतर होता है।

उपरोक्त स्थिति मे निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाती हैं:

धारक की पुस्तक में

विपत्र का अवधि से पहले भुगतान और छूट प्राप्त होने पर

रोकड़ खाता	नाम
विपत्र पर छूट खाता	नाम
प्राप्य विपत्र खाते से	
स्वीकारकर्त्ता की पुस्तक में	
देय विपत्र खाता	नाम
रोकड़ खाता	नाम
विपत्र पर छूट खाते से	

उदाहरण के लिए अमित ने बबली को 1 जनवरी, 2015 को 10,000 रु. का उधार माल बेचा और उक्त राशि का एक विपत्र लिखा जिसे बबली ने स्वीकृत करके अमित को वापिस कर दिया।4 मार्च, 2015 को 6% वार्षिक छूट पर विपत्र का भुगतान कर दिया।इस संदर्भ में निम्नांकित प्रविष्टियाँ की जाएगी:

अमित की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि विवरण ब.पृ.सं. नाम जमा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2017 1 जनवरी	बबली का खाता विक्रय खाते से (बंटी को उधार माल बेचा।)	नाम		10,000	10,000
1 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता बंटी के खाते से (तीन माह की अवधि के लिए स्वीकृत प्राप्त)	नाम		10,000	10,000

4 मार्च	रोकड़ खाता विपत्र पर छूट खाता प्राप्य विपत्र खाते से (विपत्र भुगतान प्राप्त हुआ)	नाम नाम		9,950 50	10,000

अभिलिखित प्रविष्टियों की खतौनी इस प्रकार होगी:

बबली का खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	राशि रु.
2017 1 जनवरी	विक्रय		10,000	2017 1 जनवरी	प्राप्य विपत्र		10,000

प्राप्त किया खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	राशि रु.
2017 1 जनवरी	बबली		10,000	2017 1 जनवरी	रोकड़ विपत्र पर छूट		9,950 50 10,000

बबली की पुस्तक

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2017					
01 जनवरी	क्रय खाता	नाम		10,000	
	अमित के खाते से				10,000
	(अमित से माल खरीदा)				
01 जनवरी	अमित का खाता	नाम		10,000	
	देय विपत्र खाते से				10,000
	(विपत्र पर स्वीकृति प्राप्त)				
04 मार्च	देय विपत्र खाता	नाम		10,000	
	रोकड़ खाता				9,950
	विपत्र पर छूट खाते से				50
	(देय तिथि से पूर्व भुगतान और छूट प्राप्त)				

अमित का खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2017				2017			
01 जनवरी	देय विपत्र		10,000	04 जनवरी	क्रय		10,000
			10,000				10,000

देय विपत्र खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2017				2017			
01 जनवरी	रोकड़		10,000	01 जनवरी	अमित		10,000
	विपत्र पर छूट		50				
			10,000				10,000

उदाहरण 4

15 जनवरी, 2017 को सचिन ने नारायण को 30,000 रुपए का उधार माल बेचा और तीन माह की अवधि के लिए एक विनिमय-विपत्र लिखा जिसे नारायण ने स्वीकार कर लिया। 31 जनवरी, 2017 को सचिन ने विनिमय-विपत्र बैंक से 29,250 रु. में भुना लिया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

परिपक्वता तिथि पर नारायण ने सचिन से विपत्र रद्द करने और नया विनिमय-विपत्र लिखने का अनुरोध किया।नारायण ने सचिन को 10,500 रु. जिसमें ब्याज की राशि 500 रु. सम्मिलित थी, का नकद भुगतान किया और शेष 20,000 रु. की राशि के लिए नया विनिमय-विपत्र स्वीकार किया।सचिन ने नया विनिमय-विपत्र 20,800 रु. ऋण के पूर्ण भुगतान के लिए अपने लेनदार कपिल को बेचान किया।नारायण ने देय तिथि पर नए विनिमय-विपत्र का भुगतान किया।सचिन और नारायण की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल

सचिन की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2017				
15 जनवरी	नारायण का खाता नाम		30,000	
	विक्रय खाते से			30,000
	(नारायण को उधार माल बेचा)			
15 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता नाम		30,000	
	नारायण के खाते से			30,000
	(नारायण ने विपत्र स्वीकार किया)			
31 जनवरी	बैंक खाता नाम		29,250	
	विपत्र पर बट्टा		750	
	प्राप्य विपत्र खाते से			30,000
	(स्वीकृत विपत्र को बैंक से भुनाया)			
19 अप्रैल	नारायण का खाता नाम		30,500	
	बैंक खाता			30,000
	ब्याज खाते से			500
	(विपत्र रद्द को बैंक से भुनाया)			
19 अप्रैल	बैंक खाता नाम		10,500	
	प्राप्य विपत्र खाता नाम		20,000	
	नारायण के खाते से			30,500
	(नारायण द्वारा नकद भुगतान और नए विपत्र पर स्वीकृति)			
19 अप्रैल	कपिल का खाता नाम		20,800	
	प्राप्य विपत्र खाते से			20,000
	बट्टा प्राप्ति खाते से			800
	(कपिल को विपत्र का बेचान और बट्टा प्राप्त)			

नारायण की पुस्तक

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2017				
15 जनवरी	क्रय खाता नाम सचिन का खाते से (सचिन ने उधार माल बेचा)		30,000	30,000
15 जनवरी	सचिन का खाता नाम देय विपत्र खाते से (विपत्र पर स्वीकृति)		30,000	30,000
19 अप्रैल	देय विपत्र खाता नाम ब्याज खाता नाम सचिन के खाते से (पुराना विपत्र रद्द और उस पर ब्याज का भुगतान)		30,000 500	30,500
19 अप्रैल	सचिन का खाता नाम बैंक खाते से देय विपत्र खाते से (सचिन को नकद भुगतान और शेष राशि पर विपत्र स्वीकृत)		30,500	10,500 20,000
22 जुलाई	देय विपत्र खाता नाम बैंक खाते से (परिपक्वता तिथि पर विपत्र का भुगतान)		20,000	20,000

उदाहरण 5

30 अक्टूबर, 2015 को अशोक ने बिशन को 14,000 रुपए का माल बेचा और तीन विपत्र लिखे: पहला विपत्र 2,000 रुपए का दो माह की अवधि के लिए, दूसरा विपत्र 4,000 रुपए का तीन माह की अवधि के लिए, और तीसरा विपत्र 8,000 रुपए का चार माह की अवधि के लिए।पहला विपत्र अशोक ने परिपक्वता तिथि तक अपने पास रखा।दूसरा विपत्र का अशोक ने अपने लेनदार चेतन को बेचान किया।तीसरा विपत्र 3 दिसंबर, 2015 को 12% प्रति वर्ष की दर से भुना लिया गया।पहले और दूसरे विपत्र का परिपक्वता तिथि पर भुगतान कर दिया गया परंतु तीसरा विपत्र अनादृत हुआ और बैंक ने 50 रुपए निकराई व्यय का भुगतान किया।3 मार्च, 2016 को बिशन ने 4,000 रुपए और निकराई व्यय का नकद भुगतान किया और शेष राशि के लिए नया विपत्र 100 रुपए ब्याज सहित स्वीकार किया।परिपक्वता तिथि पर विपत्र का भुगतान किया गया।अशोक और बिशन के रोजनामचे में प्रविष्टयाँ कीजिए तथा अशोक की पुस्तक में बिशन का खाता और बिशन की पुस्तक में अशोक का खाता बनाइए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

हल

अशोक की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब.प.सं.	नाम राशि रु	जमा राशि रु.
2015 30 अक्टूबर	बिशन का खाता नाम विक्रय खाते से (बिशन द्वारा उधार माल विक्रय)		14,000	14,000
30 अक्टूबर	प्राप्य विपत्र खाता नाम बिशन के खाते से (बिशन से तीन विपत्रों पर स्वीकृति प्राप्त की)		14,000	14,000
30 अक्टूबर	चेतन का खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से (लेनदार चेतन को विपत्र का बेचान)		4,000	4,000
3 दिसंबर	बैंक खाता बट्टा प्राप्ति खाता प्राप्य विपत्र खाते से (तीसरा विपत्र बैंक से भुनाया)		7,760 240	8,000
2016 2 जनवरी	बैंक खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से (परिपक्वता तिथि पर पहले विपत्र का भुगतान)		2,000	2,000
3 मार्च	बिशन का खाता नाम बैंक खाते से (तीसरे विपत्र का अनादरण हुआ)		8,050	8,050
3 मार्च	रोकड़ खाता नाम बिशन के खाते से (बिशन से नकद प्राप्ति हुई)		4,050	4,050
3 मार्च	बिशन का खाता नाम ब्याज खाता (बढ़ाई गई अवधि पर ब्याज का भुगतान)		100	100
3 मार्च	प्राप्य विपत्र खाता नाम बिशन के खाते से (दो माह की अवधि के लिए नई स्वीकृति दी)		4,100	4,100
12 मई	बैंक खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से (परिपक्वता तिथि विपत्र का भुगतान)		4,100	4,100

बिशन का खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2015				2015			
30 अक्टूबर	विक्रय		14,000	30 अक्टूबर	प्राप्य विपत्र		14,000
2016				2016			
3 मार्च	बैंक		8,050	3 मार्च	रोकड़		4,050
3 मार्च	ब्याज		100	3 मार्च	प्राप्य विपत्र		4,100
			22,150				22,150

जमा

बिशन की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2015					
30 अक्टूबर	क्रय खाता	नाम		14,000	
	अशोक के खाते से				14,000
	(अशोक से उधार क्रय)				
30 अक्टूबर	अशोक का खाता	नाम		14,000	
	देय विपत्र खाते से				14,000
	(तीन विपत्रों पर स्वीकृति दी)				
2016					
2 जनवरी	देय विपत्र खाता	नाम		2,000	
	बैंक खाते से				2,000
	(परिपक्वता तिथि पर पहले विपत्र का भुगतान)				
2 जनवरी	देय विपत्र खाता	नाम		8,000	
	निकराई व्यय खाता	नाम		50	
	अशोक के खाते से				8,050
	(तीसरे विपत्र का अनादरण और 50 रु. निकराई व्यय का भुगतान)				
3 मार्च	अशोक खाता	नाम		4,050	
	रोकड़ खाते से				4,050
	(अशोक को 4,000 और निकराई व्यय का भुगतान)				
3 मार्च	ब्याज खाता	नाम		100	
	अशोक खाता				100
	(बढ़ाई गई समय सीमा पर ब्याज)				

3 मार्च	अशोक का खाता	नाम	4,100	
	देय विपत्र खाते से			4,100
	(दो माह की अवधि के लिए नया विपत्र स्वीकार)			
6 मार्च	देय विपत्र खाता	नाम	4,100	
	बैंक खाते से			4,100
	(परिपक्वता तिथि पर नए विपत्र का भुगतान)			

अशोक का खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	राशि रु.
2015			
30 अक्टूबर	देय विपत्र		14,000
2016			
9 मार्च	रोकड़		4,050
9 मार्च	देय विपत्र		4,100
			22,150

जमा

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	राशि रु.
2015			
30 अक्टूबर	क्रय		14,000
2016			
3 मार्च	देय विपत्र		8,000
	निकराई व्यय		50
9 मार्च	ब्याज		100
			22,150

उदाहरण 6

आशीर्वाद ने आकर्षक पर 10,000 रु. का तीन माह की अवधि के लिए एक विपत्र लिखा, जिसे

1 जनवरी, 2016 को आकर्षक ने स्वीकार किया। आशीर्वाद ने आकृति को इस विपत्र का बेचान किया। परिपक्वता तिथि से पूर्व आकर्षक ने आशीर्वाद से 18% प्रति वर्ष की दर से तीन माह की अवधि के लिए विपत्र के नवीनीकरण का अुनरोध किया। आशीर्वाद ने आकृति को देय तिथि पर भुगतान किया साथ ही आकर्षक के अनुरोध को स्वीकार कर नया विपत्र लिखा। परिपक्वता तिथि पर आकर्षक ने विपत्र का भुगतान कर दिया। आशीर्वाद की पुस्तक से प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल

आशीर्वाद की पुस्तक

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2016				
1 जनवरी	प्राप्य विपत्र खाता नाम		10,000	
	आकर्षक के खाते से			10,000
	(आकर्षक द्वारा स्वीकृति प्राप्त)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1 जनवरी	आकृति का खाता प्राप्य विपत्र खाते से (आकृति को विपत्र का बेचान)	नाम		10,000	 10,000
4 अप्रैल	आकर्षक का खाता आकृति के खाते से (विपत्र रद्द किया गया)	नाम		10,000	 10,000
4 अप्रैल	आकृति का खाता बैंक के खाते से (आकृति को भुगतान)	नाम		10,000	 10,000
4 अप्रैल	आकर्षक का खाता ब्याज खाते से (18% प्रतिवर्ष की दर से तीन माह की अवधि पर ब्याज)	नाम		450	 450
4 अप्रैल	प्राप्य विपत्र खाता आकर्षक के खाते से (नए विपत्र पर आकर्षक ने स्वीकृति दी)	नाम		10,450	 10,450
7 जुलाई	बैंक खाता प्राप्य विपत्र खाते से (परिपक्वता तिथि पर नए विपत्र का भुगतान)	नाम		10,450	 10,450

उदाहरण 7

1 अप्रैल, 2016 को अंकित ने निकिता को 6,000 रुपए का तीन माह की अवधि के लिए एक प्रतिज्ञा-पत्र लिखा जिसे निकिता ने 5,760 रुपए में बैंक से भुना लिया। परिपक्वता तिथि पर विपत्र अनादृत हुआ, जिस पर बैंक ने 15 रुपए निकराई व्यय का भुगतान किया। अंकित ने 2,000 रुपए का नकद भुगतान किया और शेष राशि के लिए नया विपत्र स्वीकार किया, जिसमें ब्याज के 100 रु. सम्मिलित थे। नया विपत्र दो माह की अवधि के लिए लिखा गया। परिपक्वता तिथि पर पुन: विपत्र अनादृत हुआ और निकिता ने 15 रुपए निकराई व्यय का भुगतान किया। निकिता के रोजनामचे में प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल

निकिता की पुस्तक

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2016 1 अप्रैल	प्राप्य विपत्र खाता नाम अंकित के खाते से (अंकित से प्रतिज्ञा-पत्र प्राप्त किया)		6,000	 6,000

1 अप्रैल	बैंक खाता नाम बट्टा प्राप्ति खाता नाम देय विपत्र खाते से (अंकित के प्रतिज्ञा-पत्र को 5,760 रु. में बैंक से भुनाया)		5,760 240	 6,000
4 जुलाई	अंकित का खाता नाम बैंक खाते से (परिपक्वता तिथि पर विपत्र का अनादरण और बैंक द्वारा निकराई व्यय का भुगतान)		6,015	 6,015
4 जुलाई	रोकड़ खाता नाम अंकित के खाते से (अंकित से नकद प्राप्ति)		2,000	 2,000
4 जुलाई	अंकित का खाता नाम ब्याज खाते से (नए विपत्र पर ब्याज)		100	 100
4 जुलाई	प्राप्य विपत्र खाता नाम अंकित के खाते से (बढ़ाई गई दो माह की अवधि पर अंकित की स्वीकृति)		4,115	 4,115

उदाहरण 8

1 मई, 2016 को मोहित ने 6,000 रुपये का तीन माह की अवधि के लिए रोहित को एक प्रतिज्ञा-पत्र भेजा। रोहित ने 4 मई, 2015 को बैंक से 18% प्रति वर्ष की दर से विपत्र भुना लिया। परिपक्वता तिथि पर मोहित द्वारा विपत्र अनादृत हुआ और बैंक ने 10 रुपये निरकाई व्यय किए। रोहित ने मोहित से 2,170 रुपए नकद स्वीकार किए जिसमें 130 रुपए निकराई व्यय और ब्याज सम्मिलित हैं तथा 4,000 रुपए का दो माह की अवधि के लिए नया प्रतिज्ञा-पत्र स्वीकार किया। परिपक्वता तिथि पर रोहित ने इस शर्त पर मोहित का अनुरोध स्वीकार किया कि वह 200 रुपए ब्याज की नकद राशि का भुगतान करे। परिपक्वता तिथि पर विपत्र का भुगतान किया गया। रोहित और मोहित के रोजनामचे में प्रविष्टियाँ कीजिए।

मोहित की पुस्तक

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दिनांक	विवरण	ब.पृ.स.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2016 1 मई	रोहित का खाता नाम देय विपत्र खाते से (रोहित को प्रतिज्ञा-पत्र भेजा)		6,000	 6,000
4 अगस्त	देय विपत्र खाता नाम निकराई खाता नाम रोहित के खाते से (विपत्र का अनादरण और निकराई व्यय)		6,000 10	 6,010
4 अगस्त	ब्याज खाता नाम रोहित के खाते से (ब्याज की राशि का भुगतान)		120	 120
4 अगस्त	रोहित का खाता नाम देय विपत्र खाता रोकड़ खाते से (2,130 रुपए का नकद भुगतान और नया शेष राशि के लिए विपत्र लिखा)		6,130	 4,000 2,130
7 अक्तूबर	देय विपत्र खाता नाम रोहित के खाते से (विपत्र रद्द किया गया)		4,000	 4,000
7 अक्तूबर	ब्याज खाता नाम रोहित के खाते से (नये विपत्र पर ब्याज की राशि)		200	 200
7 अक्टूबर	रोहित खाता नाम रोकड़ खाते से देय विपत्र खाते से (ब्याज का भुगतान और नया विपत्र रोहित को भेजा)		4,200	 200 4,000
1 जनवरी	देय विपत्र खाता नाम रोकड़ खाते से (परिपक्वता तिथि पर विपत्र का भुगतान)		4,000	 4,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

रोहित की पुस्तकें

रोजनमचा

दिनांक	विवरण	ब.पृ.स.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2016 01 मई	प्राप्य विपत्र खाता नाम मोहित के खाते से (मोहित से प्रतिज्ञा पत्र प्राप्त)		6,000	 6,000
04 मई	बैंक खाता नाम बट्टा खाता नाम प्राप्य विपत्र खाते से (प्रतिज्ञा पत्र को 18% प्रति वर्ष की दर पर बैंक से भुनाया)		5,730 270	 6,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

04 अगस्त	मोहित का खाता नाम बैंक खाते से (प्रतिज्ञा-पत्र का अनादरण और बैंक ने 10 रु. निकराई व्यय दिये)		6,000	6,010
04 अगस्त	मोहित का खाता नाम ब्याज खाते से (ब्याज के रूप में स्वीकृत राशि का भुगतान)		120	120

SHIVOM CLASSES
8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 304 - 309)

लघुउत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 सामान्य रूप से प्रयोग होने वाले दो परक्राम्य विलेखों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – आधुनिक व्यापार जगत में अधिकतर क्रय-विक्रय साख पर आधारित होते हैं ।प्रायः उधार विक्रेता, क्रेता से इस शर्त पर व्यवहार करता है कि वह एक निश्चित अवधि पर भुगतान दे देगा।भविष्य में भुगतान होने की समस्या का समाधान साख-पत्रों (Credit Instruments) की सहायता से बड़ी सरलता से किया जा सकता है।साख-पत्रों में विनिमय विपत्र, प्रतिज्ञा-पत्र, हुण्डी और चैक प्रमुख हैं।

1. विनिमय विपत्र: भारतीय परक्राम्य विलेख अधिनियम, 1881 के अनुसार, "विनिमय विपत्र एक शर्त-रहित लिखित आज्ञा-पत्र है, जिसमें लिखने वाला किसी व्यक्ति को यह आज्ञा देता है कि वह एक निश्चित राशि या तो स्वयं उसे या उसकी आज्ञानसार किसी अन्य व्यक्ति को या उस विनिमय विपत्र के धारक को माँगने पर या एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर दे।"

2. प्रतिज्ञा-पत्र प्रतिज्ञा: पत्र एक शर्त-रहित लिखित, हस्ताक्षरयुक्त विपत्र (बैंक के नोट तथा सरकारी चलन के नोट के अतिरिक्त) है जिसके द्वारा इसको बनाने वाला किसी व्यक्ति को, या उसके बताए हुए किसी अन्य व्यक्ति को अथवा इस विपत्र के वाहक को इसमें लिखा धन एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर देने की प्रतिज्ञा करता है।

प्रश्न 2 विनिमय विपत्र और प्रतिज्ञा-पत्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – विनिमय विपत्र एवं प्रतिज्ञा-पत्र में अन्तर (Differences between Bill of Exchange and Promissory Note):

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अन्तर का आधार	विनिमय विपत्र	प्रतिज्ञा-पत्र
1. पक्षकारों की संख्या	इसके तीन पक्षकार होते हैं: (1) लेखक, (2) स्वीकर्ता, (3) प्राप्तकर्ता।	इसके दो पक्षकार होते हैं: (1) लेखक, (2) प्राप्तकर्ता।
2. लेखक	यह लेनदार द्वारा लिखा जाता है।	यह स्वयं देनदार द्वारा लिखा जाता है।
3. स्वीकृति	स्वीकृति प्राप्त होना अनिवार्य है।	इसकी स्वीकृति प्राप्त होना आवश्यक नहीं है।

प्रश्न 3 विनिमय विपत्र की चार विशेषताएँ बताइए।

उत्तर – विनिमय विपत्र की विशेषताएँ: विनिमय विपत्र की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:

- विनिमय विपत्र लिखित होता है।
- यह शर्त-रहित होता है।
- बिल स्वीकार करने वाले को भुगतान की आज्ञा दी जाती है।
- बिल की धन-राशि लेखक या उसके आदेशित व्यक्ति को दी जाती है।

प्रश्न 4 विनिमय विपत्र के तीन पक्षों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – विनिमय विपत्र के प्रायः तीन पक्षकार होते हैं:

- **लेखक:** यह वह व्यक्ति होता है, जो दूसरे व्यक्ति से रकम पाने का अधिकारी है और अपने देनदार पर बिल लिखता है।विनिमय पत्र पर लिखने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर होते हैं।
- **स्वीकर्ता:** वह व्यक्ति जो बिल की शर्तों का पालन करने की स्वीकृति देता है अर्थात् जिसके ऊपर बिल लिखा जाता है उसे स्वीकर्ता कहते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **प्राप्तकर्ता:** जिस व्यक्ति को बिल का रुपया प्राप्त करने का अधिकार होता है, वह भुगतान प्राप्तकर्ता कहलाता है।

प्रश्न 5 विनिमय विपत्र की परिपक्वता से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – यह वह तिथि है जिस दिन विनिमय पत्र का भुगतान होना चाहिए।विनिमय पत्र की अवधि में तीन दिन जिन्हें अनुग्रह दिवस (Days of Grace) कहते हैं और जोड़ दिये जाते हैं।यही विनिमय विपत्र की परिपक्वता तिथि होती है।यदि देय तिथि के दिन सार्वजनिक अवकाश होता है इससे ठीक पूर्व की तिथि देय तिथि मानी जाती है और यदि आकस्मिक अवकाश घोषित हुआ हो तो अगला दिन देय तिथि होती है।

प्रश्न 6 विनिमय विपत्र के अनादरण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – जब बिल का स्वीकारकर्ता परिपक्वता तिथि को विपत्र का भुगतान नहीं करता है, तो ऐसी स्थिति को विपत्र का अनादरण कहा जाता है।

प्रश्न 7 प्रतिज्ञा-पत्र के पक्षों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – प्रतिज्ञा-पत्र के पक्षकार: प्रतिज्ञा-पत्र में निम्नलिखित दो पक्षकार होते हैं:

- लिखने वाला यह वह व्यक्ति है, जो भुगतान देने की प्रतिज्ञा करता है।
- पाने वाला: यह वह व्यक्ति है जिसे प्रतिज्ञा-पत्र में लिखी रकम का भुगतान मिलता है।

प्रश्न 8 विनिमय विपत्र की स्वीकृति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – बिल की स्वीकृति-बिल लिखने के बाद स्वीकृति के लिए ऋणी के पास भेजा जाता है।बिल को स्वीकार करने वाला बिल पर अपनी स्वीकृति (Acceptance) दे देता है।एक बिल जब तक स्वीकृत नहीं हो जाता है, ड्राफ्ट (Draft) कहलाता है।स्वीकार करने वाला व्यक्ति बिल पर स्वीकृत लिखकर अपने हस्ताक्षर कर देता है जिसे बिल की स्वीकृति कहा जाता है।

स्वीकृति दो प्रकार की होती है:

- सामान्य स्वीकृति।
- शर्त-रहित स्वीकृति।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 9 निकराई का अर्थ समझाइए।

उत्तर – **निकराई व्यय (Noting Charges):** जब बिल का भुगतान प्राप्त नहीं होता तब यह प्रमाणित करवाना जरूरी होता है कि बिल का भुगतान प्राप्त नहीं हो सका है।बिल के लेखक को इसके लिए विशेष कार्यवाही करनी पड़ती है।बड़े नगरों में विपत्रालोकी (Noting Public Officer) बिल तिरस्कृत होने पर बिल के तिरस्कृत होने की घटना को प्रमाणित करते हैं ।जिस अधिकारी के सामने बिल का तिरस्कृत प्रमाणित कराया जाता है वह बिल के पीछे एक प्रमाण-पत्र देता है कि यह बिल मेरी उपस्थिति में भुगतान के लिए पेश किया गया था, परन्तु बिल स्वीकार करने वाले ने भुगतान करने से इन्कार कर दिया है।इस अधिकारी को लेखक द्वारा शुल्क का भुगतान किया जाता है जिसे निकराई व्यय कहा जाता है।

प्रश्न 10 विनिमय विपत्र के नवीनीकरण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – बिल को स्वीकार करने वाला (Acceptor) यदि बिल की देय तिथि पर अपने स्वीकार किए गए बिल का भुगतान नहीं कर पाता है, लेकिन यदि वह जानता है कि कुछ समय बाद उसके पास रुपये का प्रबन्ध हो सकता है तो ऐसी परिस्थिति में यह उचित होता है कि वह बिल के लेखक (Drawer) से मिलकर उस बिल को रद्द करवा दे और एक नया बिल स्वीकार कर ले तो इस प्रक्रिया को बिल का नवीनीकरण कहेंगे।नये बिल के साथ कुछ ब्याज की रकम भी देनी पड़ती है।कभी-कभी तो यह रकम नकद दे दी जाती है और यदि इसका भी प्रबन्ध न हो सके तो इसे भी बिल की रकम में जोड़ दिया जाता है।

प्रश्न 11 प्राप्य विपत्र पुस्तक का प्रारूप बनाइए।

उत्तर –

प्राप्य विपत्र पुस्तक का प्रारूप
Bills Receivable Book

S. No.	Date of Receipt	From Whom Received	Drawer	Acceptor	Date of Bill	Term	Date of Maturity	L. F.	Amount ₹	Remarks

SHIVOM CLASSES 8696085841

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 12 देय विपत्र पुस्तक का प्रारूप बनाइए।

उत्तर –

देय विपत्र पुस्तक का प्रारूप
Bills Payable Book

S. No.	Date of Given	To Whom Given	Payee	Date of Bill	Term	Date of Maturity	L. F.	Amount ₹	Remarks

प्रश्न 13 समय से पूर्व विनिमय विपत्र के भुगतान से क्या आशय है?

उत्तर – यदि विनिमय: पत्र के स्वीकारकर्ता के पास बिल की देय तिथि से पूर्व ही रकम (राशि) आ जाती है और वह बिल का भुगतान करना चाहता है तो बिल का भुगतान कर सकता है।यदि वह बिल का भुगतान देय तिथि से पूर्व ही कर देता है तो ऐसी स्थिति में स्वीकारकर्ता लेखक को बिल की राशि से कम मूल्य का भुगतान करता है तो ऐसी कम राशि को छूट (Rebate) कहा जाता है।यह छूट स्वीकर्ता का लाभ है तथा लेखक के लिए हानि।

प्रश्न 14 छूट का अर्थ समझाइए।

उत्तर – जब स्वीकारकर्ता बिल का भुगतान लेखक को देय तिथि से पूर्व करता है तो उसे भुगतान की राशि में कुछ बट्टा दिया जाता है जिसे छूट कहते हैं।वह बिल का जितने दिन पहले भुगतान करता है उतने दिनों का ब्याज विनिमय विपत्र की राशि में से घटाकर शेष रकम दी जाती है।यह बिल के लेखक के लिए हानि होती है, जबकि बिल के स्वीकारकर्ता के लिए लाभ होता है।

प्रश्न 15 विनिमय विपत्र का प्रारूप बनाइए।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

हरिलाल 1 अप्रेल, 2020
30,000 ₹ गाँधी नगर, जयपुर

मुद्रांक

लिखित तिथि के तीन माह पश्चात्, मुझे अथवा मेरे आदेशानुसार 30,000 रुपये का भुगतान करें, जिसका प्रतिफल प्राप्त हो चुका है।

स्वीकृत (हस्ताक्षर)
(हस्ताक्षर) हरिलाल
एम.आर. शर्मा गाँधी नगर, जयपुर
1 अप्रेल, 2020 302 004

सेवा में
एम.आर. शर्मा
117, मालवीय नगर, जयपुर।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 "विनिमय विपत्र एक शर्त-रहित आज्ञा-पत्र है।" क्या आप इस वाक्य से सहमत हैं?

उत्तर – विनिमय विपत्र की परिभाषा (Definition of Bill of Exchange): भारतीय परक्राम्य विलेख अधिनियम, 1881 के अनुसार, "विनिमय विपत्र एक शर्त-रहित लिखित आज्ञा-पत्र है, जिसमें लिखने वाला किसी व्यक्ति को यह आज्ञा देता है कि वह एक निश्चित राशि या तो स्वयं उसे या उसकी आज्ञानुसार किसी अन्य व्यक्ति को या उस विनिमय पत्र के धारक को माँगने पर या एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर दे।"

विनिमय विपत्र की विशेषताएँ (Characteristics of Bill of Exchange):

1. विनिमय विपत्र लिखित होना चाहिए।
2. आदेश शर्त-रहित होना चाहिए।
3. इसमें रुपये के भुगतान की आज्ञा होती है।
4. विनिमय विपत्र के तीन पक्षकार होते हैं:(1) लेखक (2) स्वीकारकर्ता (3) आदाता।
5. विनिमय विपत्र की रकम निश्चित होती है।
6. इसमें बिल लिखने वाले के हस्ताक्षर होते हैं।
7. बिल की धन-राशि लेखक या उसके आदेशित व्यक्ति को दी जाती है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

8. बिल स्वीकार करने वाले को भुगतान की आज्ञा दी जाती है।
9. अधिनियम के अनुसार इस विलेख पर मुद्रांक होना अनिवार्य है।विनिमय विपत्र की परिभाषा तथा विशेषताओं से यह पूर्णतः स्पष्ट है कि विनिमय विपत्र एक शर्त-रहित आदेश है।

प्रश्न 2 विनिमय विपत्र के अनादरण और निकराई व्यय के प्रभाव को बताइये।

उत्तर – विनिमय विपत्र का अनादरणजब बिल को स्वीकार करने वाला व्यक्ति देय तिथि पर बिल का भुगतान नहीं करता है तो उसे बिल का अनादरण कहते हैं ।बिल के अनादरण होने पर उसके धारक को विपत्र के सभी पक्षकारों को इसकी सूचना भेज देनी चाहिए अन्यथा सूचना नहीं पाने वाला पक्षकार अपने दायित्व से मुक्त हो जाता है।विपत्र के अनादरण होने पर देनदार को वापस डेबिट (Dr.) किया जाता है तथा क्रेडिट (Cr.) करने वाला खाता विभिन्न परिस्थितियों में भिन्न भिन्न होता है।

निकराई व्यय-जब बिल का भुगतान प्राप्त नहीं होता तब यह प्रमाणित करवाना जरूरी होता है कि बिल का भुगतान प्राप्त नहीं हो सका है।बिल के लेखक को इसके लिए विशेष कार्यवाही करनी पड़ती है।बड़े नगरों में विपत्रालोकी (Noting Public Officer) बिल तिरस्कृत होने पर इसको प्रमाणित करते हैं ।जिस अधिकारी के सामने बिल का तिरस्कृत कराया जाता है वह बिल के पीछे एक प्रमाण-पत्र देता है कि यह बिल मेरी उपस्थिति में भुगतान के लिए पेश किया गया था परन्तु बिल स्वीकार करने वाले ने भुगतान करने से इन्कार कर दिया है।इस अधिकारी को लेखक द्वारा शुल्क का भुगतान किया जाता है जिसे निकराई व्यय कहा जाता है।

प्रश्न 3 उदाहरण सहित परिपक्वता तिथि की गणना प्रक्रिया को समझाइए।

उत्तर – परिपक्वता तिथि की गणना-जिस दिन बिल का भुगतान देय होता है उस तिथि को बिल की परिपक्वता या देय तिथि कहते हैं।किसी विपत्र की देय तिथि की गणना करते समय 3 दिन और जोड़ दिये जाते हैं।ये तीन दिन रियायती या अनुग्रह दिन कहलाते हैं ।यदि परिपक्वता या देय तिथि के दिन सार्वजनिक अवकाश होता है तो विपत्र की देय तिथि एक दिन पूर्व हो जाती है।

यदि भारतीय परक्राम्य विलेख अधिनियम (Indian Negotiable Instrument Act) 1881, के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा आकस्मिक अवकाश घोषित किया जाता है तथा उसी तिथि पर विनिमय

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विपत्र देय है तो ऐसी स्थिति में अगला कार्य-दिवस (Working Day) परिपक्वता तिथि मानी जाती है।

उदाहरण: बिल को 5 जनवरी को लिखा जाता है तथा उसी तारीख को स्वीकार कर लिया जाता है, जिसकी अवधि 3 माह है तो देय तिथि होगी:

5 Jan. + 3 Month + 3 days

2 5 April +3 = 8 April

प्रश्न 4 विनिमय विपत्र और प्रतिज्ञा पत्र में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर –

अन्तर का आधार	विनिमय विपत्र	प्रतिज्ञा पत्र
1. पक्षकारों की संख्या	इसमें तीन पक्षकार होते हैंलेखक, देनदार तथा पाने वाला।	इसमें केवल दो पक्षकार होते हैं-लेखक तथा देनदार।
2. भुगतान की प्रकृति	विनिमय विपत्र में भुगतान करने का शर्त-रहित आदेश होता है।	प्रतिज्ञा-पत्र में भुगतान करने का शर्त रहित वचन होता है।
3. स्वीकृति	लेनदार द्वारा स्वीकृति अंकित होनी चाहिए।	इसमें स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है। लिखने वाले का सीधा सम्बन्ध लेनदार (आदाता) से होता है।
4. सम्बन्ध	विनिमय विपत्र के लिखने वाले का सीधा सम्बन्ध देनदार (स्वीकर्ता) से होता है, प्राप्तकर्ता (आदाता) से नहीं।	प्रतिज्ञा-पत्र में लेखक का सीधा सम्बन्ध लेनदार से होता है।
5. लेखक की स्थिति	विनिमय विपत्र में लेखक का सीधा सम्बन्ध लेनदार से नहीं बल्कि स्वीकर्ता से होता है।	एक प्रतिज्ञा-पत्र वाहक को देय नहीं लिखा जा सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 5 विनिमय विपत्र के समय से पूर्व भुगतान का लेनदार और देनदार के लिए लाभ और उद्देश्य बताइए।

उत्तर – यदि विनिमय विपत्र के स्वीकारकर्ता (Acceptor) के पास बिल की देय तिथि से पहले कहीं से रकम आ जाती है और वह बिल का भुगतान करना चाहता है तो बिल का भुगतान कर सकता है।बिल के देय तिथि से पूर्व जब भुगतान किया जाता है तो बिल को लिखने वाला कुछ कम रकम लेने को तैयार हो जाता है ।इस प्रकार बिल के लेखक को कुछ हानि होती है; किन्तु भुगतान समय से पूर्व प्राप्त हो जाता है और बिल स्वीकार करने वाले को कुछ कम रकम देने के कारण लाभ होता है; किन्तु भुगतान समय से पूर्व करना पड़ता है।

प्रश्न 6 प्राप्य विपत्र पुस्तक बनाने के उद्देश्य और लाभ बताइए।

उत्तर – प्राप्य विपत्र पुस्तक बनाने के उद्देश्य और लाभ-बड़े व्यावसायिक संस्थानों में जहाँ बहुत से लेन-देन होते हैं, वहाँ पर उधार लेन-देन को प्राप्य विपत्र द्वारा किया जाता है।इसके लिए वहाँ पर सहायक पुस्तकें रखी जाती हैं ।प्राप्य विपत्रों के लिए प्राप्य विपत्र पुस्तक रखी जाती है।इस पुस्तक में प्राप्य विपत्रों के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण सहित लेखा किया जाता है।प्रत्येक बिल के प्राप्त होने की तारीख, अवधि, देय बिलों की राशि आदि का विवरण होता है।समस्त प्राप्य-विपत्रों के सम्पूर्ण विवरण एक ही स्थान पर उपलब्ध रहने से लेखाकार द्वारा समुचित कार्यवाही समय पर हो जाती है।प्राप्य विपत्र का एक निश्चित अवधि के बाद जोड़ लगाया जाता है।योग से प्राप्य विपत्र (Bills Receivable) खाते को डेबिट करके सभी स्वीकारकर्ताओं के खातों को क्रेडिट किया जाता है।प्राप्य विपत्र खाता एक सम्पत्ति होती है, जिसका शेष डेबिट होता है।

प्रश्न 7 देय विपत्र पुस्तक बनाने के उद्देश्य और लाभ बताइए।

उत्तर – जब व्यापार का आकार बड़ा होता है तो विनिमय विपत्रों के माध्यम से लेन-देन बड़ी संख्या में होते हैं।तब प्राप्य विपत्र एवं देय विपत्र पुस्तकें रखना बहुत आवश्यक एवं सुविधाजनक होता है।देय विपत्र पुस्तकें रखने के उद्देश्य एवं लाभ: देय विपत्र पुस्तक रखने का प्रमुख उद्देश्य है कि समान प्रकार के व्यवहारों का एक ही स्थान पर उपलब्ध होना, अर्थात् व्यवसाय द्वारा एक निश्चित अवधि में जितने भी देय-विपत्र निर्गमित किये हैं, उनका अभिलेखन एक ही स्थान पर रखना।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इस पुस्तक को रखने में निम्नलिखित लाभ हैं:

1. प्रत्येक देय विपत्र का भुगतान समय पर किया जा सके।
2. एक निश्चित अवधि में समस्त देय विपत्रों की एक ही प्रविष्टि की जा सके।
3. एक निश्चित अवधि के अन्त में देय विपत्र खाते को माँग के आधार पर क्रेडिट (जमा) करके, उन पक्षकारों के खातों में डेबिट (नाम) कर दें जिन्हें देय विपत्र निर्गमित किये हैं।

आंकिक प्रश्न:

परिपक्वता तिथि पर भुगतान:

प्रश्न 1 1 जनवरी, 2016 को राव ने रेड्डी को 10,000 ₹ का माल बेचा।रेड्डी ने आधी राशि का भुगतान तत्काल किया और शेष राशि के लिए 30 दिन की अवधि का एक विपत्र स्वीकार किया।परिपक्वता तिथि पर विपत्र का भुगतान कर दिया गया।उपर्युक्त लेन-देनों की राव और रेड्डी के रोजनामचे में प्रविष्टियाँ कीजिए और राव की पुस्तक में रेड्डी का खाता और रेड्डी की पुस्तक में राव का खाता बनाइए।

उत्तर –

In the Books of Rao
Journal Entries

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 01	Reddy's A/c	Dr.		10,000	
	To Sales A/c				10,000
	(Goods sold to Reddy)				
Jan. 01	Cash A/c	Dr.		5,000	
	Bills Receivable A/c	Dr.		5,000	
	To Reddy				10,000
	(Half of the amount received in cash and for half amount acceptance received)				
Feb. 03	Cash A/c	Dr.		5,000	
	To Bills Receivable A/c				5,000
	(Being Payment of bill received on due date)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Reddy's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Jan. 1	To Sales		10,000	Jan. 1.	By Cash		5,000
				"	By Bills Receivable		5,000
			10,000				10,000

In the Books of Reddy
Journal Entries

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016				
Jan. 01	Purchases A/c Dr.		10,000	
	To Rao			10,000
	(Goods purchased from Rao)			
Jan. 01	Rao A/c Dr.		10,000	
	To Cash A/c			5,000
	To Bills Payable A/c			5,000
	(₹ 5,000 paid in cash and for ₹ 5,000 acceptance given)			
Feb. 03	Bills Payable A/c Dr.		5,000	
	To Cash A/c			5,000
	(Being amount of bill paid on maturity)			

Dr. **Rao's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Jan. 1	To Cash		5,000	Jan. 1	By Purchase		10,000
"	To Bills Payable		5,000				
			10,000				10,000

प्रश्न 2 1 जनवरी, 2016 को शंकर ने पार्वती से 8,000 ₹ का माल क्रय किया और पार्वती को तीन माह की अवधि के लिए एक प्रतिज्ञा-पत्र लिखा।परिपक्वता तिथि के दिन भारत सरकार द्वारा परक्राम्य विलेख अधिनियम, 1881 के अन्तर्गत अवकाश घोषित किया।चूँकि पार्वती अधिनियम के परिपक्वता तिथि प्रावधान से अनभिज्ञ थी, इसलिए उसने विपत्र राशि भुगतान के लिए अपने अधिवक्ता को दे दिया।जिसने विपत्र को नियमानुसार भुगतान के लिए प्रस्तुत कर भुगतान प्राप्त

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

किया। पार्वती को विपत्र की राशि का तत्काल भुगतान प्राप्त हुआ। पार्वती और शंकर के रोजनामचे में आवश्यक प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर –

In the Books of Parvati
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 01	Shankar's A/c	Dr.		8,000	
	To Sales A/c				8,000
	(Goods sold to Shankar)				
Jan. 01	Bills Receivable A/c	Dr.		8,000	
	To Shankar				8,000
	(Acceptance received from Shankar)				
Apr. 05	Cash A/c	Dr.		8,000	
	To Bills Receivable A/c				8,000
	(Payment of bill received)				

नोट: देय तिथि 4 अप्रेल चाहिए थी परन्तु भारत सरकार द्वारा आकस्मिक अवकाश घोषित करने के कारण एक दिन बाद 5 अप्रेल की तिथि को देय तिथि माना जायेगा।

In the Books of Shankar
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 01	Purchases A/c	Dr.		8,000	
	To Parvati				8,000
	(Goods purchased from Parvati)				
Jan. 01	Parvati's A/c	Dr.		8,000	
	To Bills Payable A/c				8,000
	(Acceptance given to Parvati)				
Jan. 05	Bills Payable A/c	Dr.		8,000	
	To Cash A/c				8,000
	(Payment made)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 3 5 जनवरी, 2016 को विशाल ने मंजू को 7,000 ₹ का माल विक्रय किया तथा मंजू पर दो माह की अवधि के लिए एक विनिमय विपत्र लिखा। मंजू ने विपत्र पर अपनी तत्काल स्वीकृति दी और विपत्र विशाल को वापिस कर दिया। विशाल ने विपत्र को 12% प्रतिवर्ष की दर से बैंक से भुना लिया। परिपक्वता तिथि पर मंजू ने विपत्र पर अपनी स्वीकृति पूर्ण की। उपर्युक्त लेन-देनों की विशाल और मंजू के रोजनामचों में प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर –

Books of Vishal (विशाल की पुस्तक)
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 05	Manju's A/c	Dr.		7,000	
	To Sales A/c				7,000
	(Goods sold to Manju)				
					Cont.....
Jan. 05	Bills Receivable A/c	Dr.		7,000	
	To Manju's A/c				7,000
	(Received Manju's acceptance)				
Jan. 05	Bank A/c	Dr.		6,860	
	Discount A/c	Dr.		140	
	To Bills Receivable A/c				7,000
	(Bill discounted with the Bank)				

नोट - बट्टा: $7000 \times \frac{12}{100} \times \frac{2}{12} = 140₹$

In the Books of Manju (मंजू की पुस्तक)
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 05	Purchases A/c	Dr.		7,000	
	To Vishal				7,000
	(Goods purchased from Vishal)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Jan. 05	Vishal's A/c	Dr.		7,000	
	To Bills Payable A/c				7,000
	(Acceptance given to Vishal)				
Mar. 08	Bills Payable A/c	Dr.		7,000	
	To Cash A/c				7,000
	(Amount of bill paid on due date.)				

प्रश्न 4 1 फरवरी, 2016 को जॉन ने जिमी से 15,000 ₹ का माल क्रय किया और 5,000 ₹ की राशि का तत्काल चेक से भुगतान किया तथा शेष राशि के लिए जिमी द्वारा लिखा विपत्र स्वीकृत किया।यह विपत्र 40 दिन की अवधि पर देय था।परिपक्वता तिथि से पाँच दिन पूर्व जिमी ने विपत्र संग्रह हेतु बैंक भेजा।परिपक्वता तिथि पर बैंक द्वारा बिल जॉन से भुगतान के लिए पेश किया गया तथा तदनुसार जिमी को सूचित किया गया।जॉन और जिमी के रोजनामचों में प्रविष्टियाँ कीजिए।जिमी की पुस्तकों में जॉन का खाता और जॉन की पुस्तकों में जिमी का खाता बनाइए।

उत्तर –

In the Books of Jimmi (जिमी की पुस्तक)

Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Feb. 01	John's A/c	Dr.		15,000	
	To Sales A/c				15,000
	(Goods sold to John)				
					Cont.....
Feb. 01	Bank A/c	Dr.		5,000	
	Bills Receivable A/c	Dr.		10,000	
	To John				15,000
	(Cheque received for ₹ 5,000 and acceptance received for ₹ 10,000)				
Mar. 11	Bills sent for Collection A/c	Dr.		10,000	
	To Bill Receivable A/c				10,000
	(Bill sent for collection)				
Mar. 15	Bank A/c	Dr.		10,000	
	To Bills sent for Collection A/c				10,000
	(Amount of bill collected by the bank)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **John's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 1	To Sales		15,000	Feb. 1.	By Bank		5,000
				"	By Bills Receivable		10,000
			15,000				15,000

Books of John (जॉन की पुस्तक)
Journal Entries

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016				
Feb. 01	Purchases A/c Dr.		15,000	
	To Jimmy			15,000
	(Goods puchased from Jimmy)			
Feb. 01	Jimmy's A/c Dr.		15,000	
	To Bank A/c			5,000
	To Bills Payable A/c			10,000
	(₹ 5,000 given by cheque and for ₹ 10,000 acceptance given)			
Mar. 15	Bills Payable A/c Dr.		10,000	
	To Bank A/c			10,000
	(Met acceptance on maturity)			

Dr. **Jimmi's Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 1	To Bank		5,000	Feb. 1	By Purchase		15,000
Feb. 1	To Bills Payable		10,000				
			15,000				15,000

प्रश्न 5 15 जनवरी, 2016 को करतार ने 30,000 ₹ का माल भगवान को बेचा और उस पर 10,000 ₹ के तीन विपत्र लिखे, जो कि एक माह, दो माह तथा तीन माह की अवधि पर देय थे। पहला विपत्र करतार ने परिपक्वता तिथि तक अपने पास रखा। दूसरा बिल करतार ने अपने लेनदार रत्ना को बेचान किया। तीसरा बिल करतार ने तत्काल 6% प्रति वर्ष की दर से बैंक से भुनाया। भगवान द्वारा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तीनों विपत्रों का भुगतान परिपक्वता तिथि पर कर दिया गया। करतार और भगवान के रोजनामचों में प्रविष्टियाँ कीजिए तथा खाते बनाइए।

उत्तर –

Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 15	Bhagwan's A/c	Dr.		30,000	
	To Sales A/c				30,000
	(Goods sold to Bhagwan)				
Jan. 15	Bills Receivable (i) A/c	Dr.		10,000	
	Bills Receivable (ii) A/c	Dr.		10,000	
	Bills Receivable (iii) A/c	Dr.		10,000	
	To Bhagwan				30,000
	(Acceptances received)				
Jan. 15	Ratna's A/c	Dr.		10,000	
	To Bills Receivable (ii) A/c				10,000
	(Second bill endorsed to Ratna)				
Jan. 15	Bank A/c	Dr.		9,850	
	Discount A/c	Dr.		150	
	To Bills Receivable (iii) A/c				10,000
	(Third bill discounted with the bank)				
Feb. 18	Bank A/c	Dr.		10,000	
	To Bills Receivable (i) A/c				10,000
	(Amount of first bill received)				

Dr. **Bhagwan's A/c (भगवान का खाता)** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Jan. 15	To Sales		30,000	Jan. 15	By B/R (i)		10,000
				"	By B/R (ii)		10,000
				"	By B/R (iii)		10,000
			30,000				30,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Bills Receivable A/c (प्राप्य बिल खाता)** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Jan. 15	To Bhagwan		30,000	Jan. 15	By Ratna		10,000
	(three acceptances)			"	By Bank A/c		9,850
				"	By Discount A/c		150
				Feb. 18	By Bank A/c		10,000
			30,000				30,000

Books of Bhagwan
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 15	Purchases A/c	Dr.		30,000	
	To Kartar				30,000
	(Goods purchased from Kartar)				
Jan. 15	Kartar's A/c	Dr.		30,000	
	To Bills Payable (i) A/c				10,000
	To Bills Payable (ii) A/c				10,000
	To Bills Payable (iii) A/c				10,000
	(Three acceptances given to Kartar)				
Feb. 18	Bills Payable (i) A/c	Dr.		10,000	
	To Bank A/c				10,000
	(Amount of bill paid)				
Mar. 18	Bills Payable (ii) A/c	Dr.		10,000	
	To Bank A/c				10,000
	(Amount of bill paid)				
Apr. 18	Bills Payable (iii) A/c	Dr.		10,000	
	To Bank A/c				10,000
	(Amount of bill paid)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Kartar's A/c (करतार का खाता)** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Jan. 15	To Bills Payable (i)		10,000	Jan. 15	By Purchases a/c		30,000
	To Bills Payable (ii)		10,000				
	To Bills Payable (iii)		10,000				
			30,000				30,000

Dr. **Bills Payable A/c)** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 18	To Bank A/c		10,000	Jan. 15	By Kartar		30,000
Mar. 18	To Bank A/c		10,000		(three acceptances)		
Apr. 18	To Bank A/c		10,000				
			30,000				30,000

प्रश्न 6 1 जनवरी, 2016 को सुनील ने अरुण से 30,000₹ का उधार माल खरीदा।सुनील ने 50% राशि का तत्काल भुगतान किया, जिस पर अरुण ने 20% की नकद छूट दी।शेष राशि के लिए सुनील ने 20 दिन की अवधि के लिए प्रतिज्ञा-पत्र लिखा।चूंकि परिपक्वता तिथि के दिन सार्वजनिक अवकाश था, इसलिए अरुण ने परक्राम्य विलेख अधिनियम 1881 के परिपक्वता प्रावधान के अन्तर्गत कार्यकारी दिवस पर प्रतिज्ञा-पत्र पेश किया, जिसका समय पर पूर्ण भुगतान कर दिया गया।बताइए, अरुण द्वारा किस तिथि पर प्रतिज्ञा-पत्र प्रस्तुत किया गया।उपर्युक्त लेन-देन की अरुण और सुनील के रोजनामचों में प्रविष्टि कीजिए।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Arun
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 1	Sunil's A/c	Dr.		30,000	
	To Sales A/c				30,000
	(Goods sold to Sunil)				
Jan. 1	Cash A/c	Dr.		14,700	
	Discount A/c	Dr.		300	
	To Sunil				15,000
	(Half of the amount received from Sunil at 2% cash discount)				
Jan. 1	Bills Receivable A/c	Dr.		15,000	
	To Sunil				15,000
	(Promissory note received from Sunil)				
Jan. 23	Cash A/c	Dr.		15,000	
	To Bills Receivable A/c				15,000
	(Amount of promissory note received)				

कार्यशील टिप्पणी: प्रतिज्ञा पत्र जनवरी 1 को दिया गया तथा 20 दिन अवधि थी। अतः देय तिथि 1 + 20 + 3 = 24 जनवरी है। परन्तु 24 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण बिल की देय तिथि एक दिन पहले अर्थात् 23 जनवरी को होगी। अतः अरुण ने 23 जनवरी को प्रतिज्ञा-पत्र प्रस्तुत किया।

Books of Sunil Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 1	Purchases A/c	Dr.		30,000	
	To Arun				30,000
	(Goods purchased from Arun)				
Jan. 1	Arun's A/c	Dr.		15,000	
	To Cash A/c				14,700
	To Discount Received A/c				300
	(Half of the amount paid in cash and get 2% cash discount)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Jan. 1	Arun's A/c Dr.		15,000	
	To Bills Payable A/c			15,000
	(Promissory not given to Arun)			
Jan. 23	Bills Payable A/c Dr.		15,000	
	To Cash A/c			15,000
	(Amount of promissory not paid)			

प्रश्न 7 दर्शन ने वरुण को 40,000 ₹ का उधार माल बेचा तथा दो माह की अवधि के लिए एक विपत्र लिखा।वरुण ने विपत्र पर अपनी स्वीकृति दी और दर्शन को विपत्र वापिस भेज दिया।परिपक्वता तिथि पर विपत्र का भुगतान कर दिया।

निम्नलिखित परिस्थितियों में दर्शन और वरुण के रोजनामचों में प्रविष्टियाँ कीजिए

- जब दर्शन विपत्र को परिपक्वता तिथि तक स्वयं के पास रखता है।
- जब दर्शन 6% प्रतिवर्ष की दर से विपत्र को बैंक से भुना लेता है।
- जब दर्शन विपत्र को तत्काल अपने लेनदार सुरेश को बेचान कर देता है।
- जब दर्शन परिपक्वता तिथि से तीन दिन पूर्व विपत्र को संग्रह हेतु बैंक भेजता है।

उत्तर –

Books of Dharshan
Journal Entries

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
1.	Varun's A/c Dr.		40,000	
	To Sales A/c			40,000
	(Goods sold to Varun)			
2.	Bills Receivable A/c Dr.		40,000	
	To Varun's A/c			40,000
	(Varun's acceptance received)			
				Cont.....
	सभी चारों परिस्थितियों में—			
3. (a)	Cash A/c Dr.		40,000	
	To Bills Receivable A/c			40,000
	(Amount of bill received)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(b)	Bank A/c	Dr.		39,600	
	Discount A/c	Dr.		400	
	To Bills Receivable A/c				40,000
	(Bill discounted with bank)				
(c)	Suresh's A/c	Dr.		40,000	
	To Bills Receivable A/c				40,000
	(Bill endorsed to Suresh)				
(d) (i)	Bill sent for Collection A/c	Dr.		40,000	
	To Bills Receivable A/c				40,000
	(Bill sent for collection)				
(ii)	Bank A/c	Dr.		40,000	
	To Bills sent for Collection A/c				40,000
	(Amount of bill collected by the bank)				

Books of Varun
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
1.	Purchases A/c	Dr.		40,000	
	To Dharshan				40,000
	(Goods purchased from Dharshan)				
2.	Dharshan A/c	Dr.		40,000	
	To Bills Payable A/c				40,000
	(Acceptance given)				
	सभी चारों परिस्थितियों में केवल निम्न प्रविष्टि होगी—				
3.	Bills Payable A/c	Dr.		40,000	
	To Cash/Bank A/c				40,000
	(Amount of bill paid)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 8 बंसल ट्रेडर्स माल के क्रय पर अंकित मूल्य का 10% की व्यावसायिक छूट देते हैं। मोहन ट्रेडर्स जो एक फुटकर व्यापारी हैं, ने बंसल ट्रेडर्स से निम्नलिखित माल का क्रय किया:

दिनांक'	राशि ₹
21.12.2016	1,000
26.12 .2016	1,200

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

28.12 .2016	2,000
31.12 .2016	5,000

सभी उपर्युक्त क्रय के लिए मोहन ट्रेडर्स ने बंसल ट्रेडर्स को 30 दिन की अवधि के लिए प्रतिज्ञा-पत्र लिखे।दिनांक 21.12.2016 के माल क्रय के लिए लिखा प्रतिज्ञा-पत्र बंसल ट्रेडर्स ने परिपक्वता तिथि तक स्वयं के पास रखा।दिनांक 26.12.2016 के माल क्रय के लिए लिखा प्रतिज्ञा-पत्र बंसल ट्रेडर्स ने 12% प्रतिवर्ष की दर से भुना लिया।दिनांक 25.1.2016 को बंसल ट्रेडर्स ने दिनांक 28.12.2016 के लिए लिखा प्रतिज्ञा-पत्र का अपने लेनदार ड्रीम सोप्स को 1,900 ₹ के पूर्ण भुगतान के लिए बेचान कर दिया।दिनांक 31.12.2016 के माल क्रय के लिए लिखा प्रतिज्ञा-पत्र संग्रह हेतु बैंक भेज दिया।मोहन ट्रेडर्स द्वारा सभी प्रतिज्ञा-पत्रों को समय पर भुगतान कर दिया गया।

उपर्युक्त सभी लेन-देनों की बंसल ट्रेडर्स और मोहन ट्रेडर्स के रोजनामचों में प्रविष्टियाँ कीजिए तथा बंसल ट्रेडर्स की पुस्तकों में मोहन ट्रेडर्स का खाता और मोहन ट्रेडर्स की पुस्तकों में बंसल ट्रेडर्स का खाता बनाइए।

उत्तर –

In the Books of Bansal Traders
Journal Entries

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016				
Dec. 21	Mohan Traders' A/c Dr.		900	
	To Sales A/c			900
	(Goods sold to Mohan Traders at 10% trade discount)			
Dec. 21	Bills Receivable A/c Dr.		900	
	To Mohan Traders' A/c			900
	(Promissory note received from Mohan Traders)			
Dec. 26	Mohan Traders' A/c Dr.		1,080	
	To Sales A/c			1,080
	(Goods sold to Mohan Traders at 10% trade discount)			
Dec. 26	Bills Receivable A/c Dr.		1,080	
	To Mohan Traders' A/c			1,080
	(Promissory note received from Mohan Traders)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dec. 26	Bank A/c Dr.	1,069		
	Discount A/c Dr.	11		
	To Bills Receivable A/c			1,080
	(Promissory note discounted with Bank)			
Dec. 28	Mohan Traders' A/c Dr.	1,800		
	To Sales A/c			1,800
	(Goods sold to Mohan Traders at 10% trade discount)			
Dec. 28	Bills Receivable A/c Dr.	1,800		
	To Mohan Traders' A/c			1,800
	(Promissory note received from Mohan Traders)			
				Cont.....
Dec. 31	Mohan Traders' A/c Dr.	4,500		
	To Sales A/c			4,500
	(Goods sold to Mohan Traders at 10% trade discount)			
Dec. 31	Bills Receivable A/c Dr.	4,500		
	To Mohan Traders' A/c			4,500
	(Promissory note received from Mohan Traders)			
2017				
Jan. 23	Bank A/c Dr.	900		
	To Bills Receivable (I) A/c			900
	(Payment of I promissory note received on due date)			
Jan. 25	Dream Soap's A/c Dr.	1,900		
	To Bills Receivable A/c			1,800
	To Discount A/c			100
	(III promissory note endorsed to Dream Soaps and discount received)			
Feb. 2	Bill sent for Collection A/c Dr.	4,500		
	To Bills Receivable A/c			4,500
	(P/N sent for collection)			
Feb. 2	Bank A/c Dr.	4,500		
	To Bill sent for Collection A/c			4,500
	(Amount of P/N collected by Bank)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

Dr. **Mohan Traders' A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
21 Dec.	To Sales		900	Dec. 21	By Bills Rece.		900
26 Dec.	To Sales		1,080	Dec. 26	By Bills Rece.		1,080
28 Dec.	To Sales		1,800	Dec. 28	By Bills Rece.		1,800
31 Dec.	To Sales		4,500	Dec. 31	By Bills Rece.		4,500
			8,280				8,280

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

In the Books of Mohan's Traders
Journal Entries

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Dec. 21	Purchases A/c	Dr.		900	
	To Bansal Traders				900
	(Goods purchased from Bansal Traders)				
					Cont
Dec. 21	Bansal Traders' A/c	Dr.		900	
	To Bills Payable A/c				900
	(Promissory note given to Bansal Traders)				
Dec. 26	Purchases A/c	Dr.		1,080	
	To Bansal Traders				1,080
	(Goods purchased from Bansal Traders)				
Dec. 26	Bansal Traders' A/c	Dr.		1,080	
	To Bills Payable A/c				1,080
	(Promissory note given to Bansal Traders)				
Dec. 28	Purchases A/c	Dr.		1,800	
	To Bansal Traders				1,800
	(Goods purchased from Bansal Traders)				
Dec. 28	Bansal Traders' A/c	Dr.		1,800	
	To Bills Payable A/c				1,800
	(Promissory note given to Bansal Traders)				
Dec. 31	Purchases A/c	Dr.		4,500	
	To Bansal Traders				4,500
	(Goods purchased from Bansal Traders)				
Dec. 31	Bansal Traders' A/c	Dr.		4,500	
	To Bills Payable A/c				4,500
	(Promissory note given to Bansal Traders)				
2017					
Jan. 23	Bills Payable A/c	Dr.		900	
	To Cash A/c				900
	(Amount of I P/N paid on due date)				
Jan. 28	Bills Payable A/c	Dr.		1,080	
	To Cash A/c				1,080
	(II P/N paid on due date)				
Jan. 30	Bills Payable A/c	Dr.		1,800	
	To Cash A/c				1,800
	(III P/N paid on due date)				
Feb. 2	Bills Payable A/c	Dr.		4,500	
	To Cash A/c				4,500
	(IV P/N paid on due date)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

Dr. **Bansal Traders' A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Dec. 21	To Bills Payable a/c		900	Dec. 21	By Purchases a/c		900
" 26	To Bills Payable a/c		1,080	" 26	By Purchases a/c		1,080
" 28	To Bills Payable a/c		1,800	" 28	By Purchases a/c		1,800
" 31	To Bills Payable a/c		4,500	" 31	By Purchases a/c		4,500
			8,280				8,280

प्रश्न 9 1 फरवरी, 2015 को नारायण ने रवीन्द्रन से 25,000 ₹ का उधार माल क्रय किया।रवीन्द्रन ने उपर्युक्त राशि के लिए 30 दिन की अवधि का एक विपत्र लिखा।परिपक्वता तिथि पर नारायण ने विपत्र का अनादरण किया।निम्नवत परिस्थितियों में रवीन्द्रन और नारायण की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ कीजिए:

- जब रविन्द्रन परिपक्वता तिथि तक विपत्र स्वयं के पास रखता है।
- जब रविन्द्रन तत्काल 6% प्रतिवर्ष की दर से विपत्र बैंक से भुना लेता है।
- जब रविन्द्रन विपत्र का अपने लेनदार गणेशन को बेचान करता है।
- जब रविन्द्रन परिपक्वता तिथि से कुछ समय पूर्व विपत्र संग्रह हेतु बैंक भेजता है।

उत्तर –

Books of Ravindran
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2015					
Feb. 1	Narayan's A/c	Dr.		25,000	
	To Sales A/c				25,000
	(Goods sold to Narayan)				
Feb. 1	Bills Receivable A/c	Dr.		25,000	
	To Narayan				25,000
	(Received Narayan's acceptance)				
	विपत्र के अनादरण की विभिन्न परिस्थितियाँ :				
Case I					
Mar. 6	Narayan's A/c	Dr.		25,000	
	To Bills Receivable A/c				25,000
	(Bill dishonoured)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Case II					
Feb. 1	Bank A/c	Dr.		24,875	
	Discount A/c	Dr.		125	
	To Bill Receivable A/c				25,000
	(Bill discounted with the bank)				
Mar. 6	Narayan's A/c	Dr.		25,000	
	To Bank A/c				25,000
	(Bill dishonoured which was discounted with bank)				
Case III					
Feb. 1	Ganeshan's A/c	Dr.		25,000	
	To Bills Receivable A/c				25,000
	(Bill endorsed to Ganeshan)				
Mar. 6	Narayan's A/c	Dr.		25,000	
	To Ganeshan's A/c				25,000
	(Endorsed bill dishonoured)				
					Cont.....
Case IV					
Mar. 4	Bill sent for Collection A/c	Dr.		25,000	
	To Bill Receivable A/c				25,000
	(Bill sent for collection)				
Mar. 6	Narayan's A/c	Dr.		25,000	
	To Bill sent for Collection				25,000
	(Bill sent for collection dishonoured by Narayan)				

Books of Narayan

Journal

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2015					
Feb. 1	Purchases A/c	Dr.		25,000	
	To Ravindran				25,000
	(Goods purchased from Ravindran)				
"	Ravindran's A/c	Dr.		25,000	
	To Bills Payable A/c				25,000
	(Acceptance given)				
Mar. 6	Bills Payable A/c	Dr.		25,000	
	To Ravindran's A/c				25,000
	(Bill dishonoured)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नोट - अनादरण की प्रत्येक स्थिति में स्वीकारकर्ता की पुस्तक में बिल अनादरण की एक ही प्रविष्टि होती है।

प्रश्न 10 13 फरवरी, 2016 को रवि ने राज को 40,000 ₹ का माल उधार बेचा, तथा राज पर चार विपत्र लिखें।5,000 ₹ की राशि का पहला विपत्र एक माह की देय भुगतान के लिए लिखा गया।दूसरा विपत्र 10,000 ₹ के लिए 40 दिन की अवधि के लिए लिखा गया।तीसरा विपत्र 12,000 ₹ की राशि के लिए तीन माह की अवधि के लिए और चौथा बिल शेष राशि के लिए 19 दिन की अवधि के लिए लिखा गया।राज ने सभी विपत्र स्वीकार किए और उन्हें स्वीकृति पश्चात् रवि को वापिस भेज दिए।रवि ने पहला विपत्र 6% प्रति वर्ष की दर से भुना लिया।दूसरे विपत्र का अपने लेनदार अजय को 10,200 ₹ के पूर्ण भुगतान के लिए बेचान किया।तीसरा विपत्र रवि ने परिपक्वता तिथि तक स्वयं के पास रखा।रवि ने चौथा विपत्र परिपक्वता तिथि से पाँच दिन पूर्व संग्रह हेतु बैंक भेज दिया।राज द्वारा चारों विपत्रों का अनादरण हुआ।विपत्र के अनादरण के तीन दिन पश्चात् राज ने रवि को 12% प्रतिवर्ष की ब्याज दर से नकद भुगतान किया।उपर्युक्त लेन-देनों का रवि, राज, अजय के रोजनामचों में प्रविष्टियाँ कीजिए।रवि की पुस्तकों में राज और अजय का खाता बनाइए।उत्तर –

Books of Ravi
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
13 Feb.	Raj	Dr.		40,000	
	To Sales A/c				40,000
	(Goods sold to Raj)				
13 Feb.	Bills Receivable A/c (i)	Dr.		5,000	
	Bills Receivable A/c (ii)	Dr.		10,000	
	Bills Receivable A/c (iii)	Dr.		12,000	
	Bills Receivable A/c (iv)	Dr.		13,000	
	To Raj				40,000
	(Received Raj's acceptances)				
13 Feb.	Bank A/c	Dr.		4,975	
	Discount A/c	Dr.		25	
	To Bills Receivable (i) A/c				5,000
	(B/R (i) discounted with Bank)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

13 Feb.	Ajay	Dr.		10,200	
	To Bills Receivable (ii)				10,000
	To Discount A/c				200
	(B/R (ii) endorsed to Ajay in full settlement)				
1 Mar.	Bill sent for Collection A/c	Dr.		13,000	
	To Bills Receivable (iv) A/c				13,000
	(B/R (iv) sent for collection)				
6 Mar.	Raj	Dr.		13,000	
	To Bills sent for Collection (iv) A/c				13,000
	(Bill sent for collection dishonoured by Raj)				
16 Mar.	Raj	Dr.		5,000	
	To Bank A/c				5,000
	(B/R (i) dishonoured by Raj)				
27 Mar.	Raj	Dr.		10,000	
	Discount A/c	Dr.		200	
	To Ajay				10,200
	(B/R (ii) dishonoured by Raj which was endorsed to Ajay in full settlement)				
16 May	Raj	Dr.		12,000	
	To B/R (iii) A/c				12,000
	(B/R (iii) dishonoured by Raj)				
19 May	Cash A/c	Dr.		41,262	
	To Raj				40,000
	To Interest A/c				1,262
	(Payment received from Raj with interest @ 12% p.a. for 96 days)				

Dr. **Raj's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
13 Feb.	To Sales a/c		40,000	13 Feb.	By Bills Recei.		5,000
6 Mar.	To Bills for Colle.		13,000	"	By Bills Recei.		10,000
16 Mar.	To Bank		5,000	"	By Bills Recei.		12,000
27 Mar.	To Ajay		10,000	"	By Bills Recei.		13,000
16 May	To B/R		12,000	"	By Cash		40,000
			80,000				80,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Ajay's Account A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
13 Feb.	To Bills			13 Feb.	By Balance b/d		10,200
	Receivable (ii)		10,000	27 Mar.	By Raj		10,000
"	To Discount		200	"	By Discount		200
31 Mar.	To Balance c/d		10,200				
			20,400				20,400

Books of Raj
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
13 Feb.	Purchases A/c	Dr.		40,000	
	To Ravi				40,000
	(Goods purchased from Ravi)				
"	Ravi	Dr.		40,000	
	To Bills Payable (i) A/c				5,000
	To Bills Payable (ii) A/c				10,000
	To Bills Payable (iii) A/c				12,000
	To Bills Payable (iv) A/c				13,000
	(Acceptances given to Ravi)				
6 Mar.	Bills Payable A/c	Dr.		13,000	
	To Ravi				13,000
	(B/R (iv) dishonoured)				
					Cont.....
16 Mar.	Bills Payable A/c	Dr.		5,000	
	To Ravi				5,000
	(Bill (i) dishonoured)				
27 Mar.	Bills Payable A/c	Dr.		10,000	
	To Ravi				10,000
	(Bill (ii) dishonoured)				
16 May	Bills Payable A/c	Dr.		12,000	
	To Ravi				12,000
	(Bill (iii) dishonoured)				
19 May	Ravi	Dr.		40,000	
	Interest A/c	Dr.		1,262	
	To Cash A/c				41,262
	(Payment made to Ravi with interest)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Ajay

2016					
13 Feb.	B/R A/c	Dr.		10,000	
	Discount A/c	Dr.		200	
	To Ravi				10,200
	(Endorsed bill received from Ravi in full settlement)				
31 Mar.	Ravi	Dr.		10,200	
	To B/R A/c				10,000
	To Discount A/c				200
	(Bill received from Ravi dishonoured)				

प्रश्न 11 1 जनवरी, 2016 को मुस्कान ने नेहा से 20,000 ₹ का उधार माल खरीदा और दो माह की अवधि के लिए नेहा ने मुस्कान पर एक विपत्र लिखा। परिपक्वता तिथि से एक माह पूर्व मुस्कान ने नेहा से 12% प्रति वर्ष की छूट पर समय पूर्व भुगतान का अनुरोध किया जिस पर नेहा ने अपनी सहमति दी। नेहा और मुस्कान के रोजनामचों में उपर्युक्त लेन-देनों की प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर –

Books of Neha
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 1	Muskan's A/c	Dr.		20,000	
	To Sales A/c				20,000
	(Goods sold to Muskan)				
Jan. 1	Bills Receivable A/c	Dr.		20,000	
	To Muskan				20,000
	(Received Muskan's acceptance)				
Feb. 4	Cash A/c	Dr.		19,800	
	Rebate A/c	Dr.		200	
	To Bills Receivable A/c				20,000
	(Amount of bill received before maturity)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Muskan
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 1	Purchases A/c	Dr.		20,000	
	To Neha				20,000
	(Goods purchased from Neha)				
Jan. 1	Neha's A/c	Dr.		20,000	
	To Bills Payable A/c				20,000
	(Acceptance given to Neha)				
Feb. 4	Bills Payable A/c	Dr.		20,000	
	To Cash A/c				19,800
	To Rebate A/c				200
	(Amount of bill paid before maturity)				

प्रश्न 12 15 जनवरी, 2016 को रघु ने देवेन्द्र को 35,000 ₹ का माल बेचा और देवेन्द्र पर 3 माह की अवधि के लिए विनिमय विपत्र लिखे। पहला विपत्र 1 माह की अवधि के लिए 5,000 ₹ के लिए, दूसरा विपत्र 3 माह की अवधि के लिए 20,000 ₹ के लिए, तीसरा विपत्र शेष राशि के लिए 4 माह की अवधि के लिए लिखा। रघु ने प्रथम विपत्र अपने लेनदार दीवान को 5,200 ₹ के पूर्ण भुगतान के लिए बेचान किया। दूसरा विपत्र रघु ने 6% प्रति वर्ष की दर से भुनाया तथा तीसरा विपत्र रघु ने परिपक्वता तिथि तक अपने पास रखा। परिपक्वता तिथि पर देवेन्द्र द्वारा प्रथम बिल का अनादरण हुआ तथा 30 ₹ निकराई व्यय के रूप में खर्च हुए। देवेन्द्र द्वारा स्वीकृत दूसरा विपत्र भी अनाहत हुआ तथा उस पर 50 ₹ निकराई व्यय के रूप में खर्च हुए। रघु ने तीसरा विपत्र परिपक्वता तिथि से चार दिन पूर्व बैंक संग्रह हेतु भेजा। तीसरा विपत्र भी अनाहत हुआ, जिस पर 200 ₹ निकराई व्यय हुआ। तीसरे विपत्र के अनादरण होने के पाँच दिनों के पश्चात् देवेन्द्र ने रघु को 1,000 ₹ की ब्याज राशि सहित पूर्ण भुगतान कर दिया, जिसके लिए उसे बैंक से लघु ऋण राशि लेनी पड़ी। रघु, देवेन्द्र और दीवान की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए तथा रघु की पुस्तक में देवेन्द्र का खाता और देवेन्द्र की पुस्तकों में रघु का खाता बनाइए।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Raghu
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
15 Jan.	Devendra's A/c	Dr.		35,000	
	To Sales A/c				35,000
	(Goods sold to Devendra)				
15 Jan.	Bills Receivable (i) A/c	Dr.		5,000	
	Bills Receivable (ii) A/c	Dr.		20,000	
	Bills Receivable (iii) A/c	Dr.		10,000	
	To Devendra's A/c				35,000
	(Received Devendra's acceptances)				
					Cont.....
5 Jan.	Deewan's A/c	Dr.		5,200	
	To Bills Receivable (i) A/c				5,000
	To Discount A/c				200
	(B/R (i) endorsed to Deewan in full settlement)				
5 Jan.	Bank A/c	Dr.		19,700	
	Discount A/c	Dr.		300	
	To Bills Receivable (ii) A/c				20,000
	(B/R (ii) discounted with bank @ 6% p.a.)				
8 Feb.	Devendra's A/c	Dr.		5,030	
	To Deewan's A/c				5,030
	(Bill endorsed to Deewan dishonoured and noting charges paid)				
8 Apr.	Devendra's A/c	Dr.		20,050	
	To Bank A/c				20,050
	(Bill (ii) dishonoured and ₹ 50 paid as noting charges)				
4 May	Bill sent for Collection A/c	Dr.		10,000	
	To Bills Receivable A/c				10,000
	(Bill sent for collection)				
8 May	Devendra's A/c	Dr.		10,200	
	To Bill sent for Collection A/c				10,000
	To Bank A/c				200
	(Bill (iii) dishonoured and noting exp. paid)				
3 May	Devendra's A/c	Dr.		1,000	
	To Interest A/c				1,000
	(Being interest due)				
3 May	Cash A/c	Dr.		36,280	
	To Devendra				36,280
	(Amount received from Devendra in full & final payment)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Devendra's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Jan. 15	To Sales a/c		35,000	Jan.15	By Bills Recei.		5,000
Feb. 18	To Deewan		5,030	"	By Bills Recei.		20,000
Apr. 18	To Bank		20,050	"	By Bills Recei.		10,000
May 18	To Bills for Coll.		10,000	May 23	By Cash		36,280
"	To Bank		200				
"	To Interest		1,000				
			71,280				71,280

Books of Devendra
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
15 Jan.	Purchases A/c	Dr.		35,000	
	To Raghu				35,000
	(Goods purchased from Raghu)				
15 Jan.	Raghu's A/c	Dr.		35,000	
	To Bills Payable (i) A/c				5,000
	To Bills Payable (ii) A/c				20,000
	To Bills Payable (iii) A/c				10,000
	(Acceptances given to Raghu)				
18 Feb.	Bills Payable A/c	Dr.		5,000	
	Noting Charges A/c	Dr.		30	
	To Raghu				5,030
	(Acceptance in favour of Raghu dishonoured)				
18 Apr.	Bills Payable A/c	Dr.		20,000	
	Noting Charges A/c	Dr.		50	
	To Raghu				20,050
	(Acceptance in favour of Raghu dishonoured)				
18 May	Bills Payable A/c	Dr.		10,000	
	Noting Charges A/c	Dr.		200	
	To Raghu				10,200
	(Acceptance in favour of Raghu dishonoured)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

23 May	Interest A/c Dr.		1,000	
	To Raghu			1,000
	(Interest payable to Raghu)			
23 May	Bank A/c Dr.		36,280	
	To Bank Loan A/c			36,280
	(Loan taken from Bank)			
23 May	Raghu's A/c Dr.		36,280	
	To Bank A/c			36,280
	(Amount paid to Raghu in full payment)			

Dr. **Raghu's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
15 Jan.	To Bills Payable a/c		5,000	15 Jan.	By Purchases a/c		35,000
"	To Bills Payable a/c		20,000	18 Feb.	By Bills Payable a/c		5,000
"	To Bills Payable a/c		10,000	"	By Noting Char. a/c		30
23 May	To Bank		36,280	18 April	By Bills Payable a/c		20,000
				"	By Noting Char. a/c		50
				18 May	By Bills Payable		10,000
				"	By Noting Char. a/c		200
				23 May	By Interest		1,000
			71,280				71,280

Books of Deewan

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016				
15 Jan.	B/R A/c Dr.		5,000	
	Discount A/c Dr.		200	
	To Raghu			5,200
	(Bill received from Raghu for full payment)			
18 Feb.	Raghu's A/c Dr.		5,230	
	To B/R A/c			5,000
	To Bank (Noting Charges)			30
	To Discount A/c			200
	(Bill dishonoured and noting charged paid)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 13 15 जनवरी, 2016 को विमल ने कमल से 25,000 ₹ का उधार माल खरीदा और उक्त राशि के लिए दो माह की भुगतान अवधि का एक विपत्र लिखा।

निम्नलिखित परिस्थितियों में कमल और विमल की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ कीजिए

- जब कमल परिपक्वता तिथि तक विपत्र स्वयं के पास रखता है।
- जब कमल 6% प्रतिवर्ष की दर से विपत्र बैंक से भुना लेता है।
- जब कमल विपत्र का बेचान अपने लेनदार शरद को करता है।
- परिपक्वता तिथि से पाँच दिन पूर्व कमल विपत्र को संग्रह हेतु बैंक भेजता है।

उत्तर –

Books of Kamal
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016 Jan. 15	Vimal's A/c	Dr.		25,000	
	To Sales A/c				25,000
	(Goods sold to Vimal)				
					Cont.....
Jan. 15	Bills Receivable A/c	Dr.		25,000	
	To Vimal A/c				25,000
	(Received Vimal's acceptance)				
	विभिन्न परिस्थितियों में प्रविष्टि—				
(i) Mar. 18	Bank A/c	Dr.		25,000	
	To Bills Receivable A/c				25,000
	(Payment of bill received on due date)				
(ii) Jan. 15	Bank A/c	Dr.		24,750	
	Discount A/c	Dr.		250	
	To Bills Receivable A/c				25,000
	(Bill discounted with bank)				
(iii) Jan. 15	Sharad's A/c	Dr.		25,000	
	To Bills Receivable A/c				25,000
	(Bill endorsed to Sharad)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(iv) Mar. 13	Bill Sent for Collection A/c To Bills Receivable A/c (Bill sent for collection)	Dr.		25,000	 25,000
Mar. 18	Bank A/c To Bill Sent for Collection A/c (Bill sent for collection dishonoured)	Dr.		25,000	 25,000

Books of Vimal
Journal (रोजनामचे)

2016 15 Jan.	Purchases A/c To Kamal (Goods purchased from Kamal)	Dr.		25,000	 25,000
"	Kamal's A/c To Bills Payable A/c (Acceptance given to Kamal)	Dr.		25,000	 25,000
(i) (ii) (iii) (iv) 18 Mar.	**चारों परिस्थितियों में प्रविष्टियाँ—** Bills Payable A/c To Kamal (Payment of bill made on due date)	Dr.		25,000	 25,000

प्रश्न 14 17 जनवरी, 2016 को अब्दुल्ला ने ताहिर को 18,000 ₹ का उधार माल बेचा और उक्त राशि के लिए 45 दिनों का एक विपत्र लिखा। इसी तिथि पर ताहिर ने विपत्र को स्वीकृत कर अब्दुल्ला को वापिस भेजा। देय तिथि पर अब्दुल्ला द्वारा बिल प्रस्तुत करने पर बिल अनादृत हुआ और अब्दुल्ला ने 40 ₹ निकराई व्यय दिये। विपत्र के अनादरण के पाँच दिनों के पश्चात् ताहिर ने 18,700 ₹ के ऋण का भुगतान कर दिया जिसमें ब्याज और निकराई व्यय राशि सम्मिलित थी। उपरोक्त लेन-देनों की प्रविष्टियाँ अब्दुल्ला और ताहिर की पुस्तकों में करें। साथ ही अब्दुल्ला की पुस्तकों में ताहिर का खाता और ताहिर की पुस्तकों में अब्दुल्ला का खाता बनाएँ।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Abdulla
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 17	Tahir's A/c	Dr.		18,000	
	To Sales A/c				18,000
	(Goods sold to Tahir)				
Jan. 17	Bills Receivable A/c	Dr.		18,000	
	To Tahir				18,000
	(Received Tahir's acceptance)				
Mar. 5	Tahir's A/c	Dr.		18,040	
	To Bills Receivable A/c				18,000
	To Cash (Noting Charges) A/c				40
	(Bill dishonoured and noting expense paid)				
Mar. 5	Tahir's A/c	Dr.		660	
	To Interest A/c				660
	(Interest due)				
Mar. 10	Cash A/c	Dr.		18,700	
	To Tahir				18,700
	(Cash received from Tahir)				

Dr. **Tahir's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Jan. 17	To Sales a/c		18,000	Jan. 17	By Bills Recei.		18,000
Mar. 5	To Bills Recei. a/c		18,040	Mar. 10	By Cash a/c		18,700
Mar. 5	To Interest		660				
			36,700				36,700

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Tahir
Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 17	Purchases A/c	Dr.		18,000	
	To Abdulla				18,000
	(Goods purchased from Abdulla)				
Jan. 17	Abdulla's A/c	Dr.		18,000	
	To Bills Payable A/c				18,000
	(Acceptance given to Abdulla)				
Mar. 5	Bills Payable A/c	Dr.		18,000	
	Noting Charge A/c	Dr.		40	
	To Abdulla				18,040
	(Bill dishonoured and noting charges payable)				
Mar. 5	Interest A/c	Dr.		660	
	To Abdulla A/c				660
	(Interest payable to Abdulla)				
Mar. 10	Abdulla's A/c	Dr.		18,700	
	To Cash A/c				18,700
	(Full payment made to Abdulla)				

Dr. **Abdulla's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Jan. 17	To Bills Payable a/c		18,000	Jan. 17	By Purchases a/c		18,000
Mar. 10	To Cash		18,700	Mar. 5	By Bills Payable a/c		18,000
				"	By Noting Charge		40
				"	By Interest A/c		660
			36,700				36,700

प्रश्न 15 2 मार्च, 2016 को आशा ने 19,000 ₹ ₹ का माल निशा को उधाए 'बेचा।निशा ने 4,000 ₹ का तत्काल भुगतान किया और शेष राशि के लिए तीन माह की अवधि का एक विष्पत्र

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लिखा। आशा ने विपत्र बैंक से भुनाया। परिपक्वता तिथि पर निशा का विपत्र अनादृत हुआ तथा बैंक ने 30 ₹ कराई व्यय किए। आशा और निशा के रोजनामचों में आवश्यक प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर –

Books of Asha

Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Mar. 02	Nisha's A/c	Dr.		19,000	
	To Sales A/c				19,000
	(Goods sold to Nisha)				
Mar. 02	Cash A/c	Dr.		4,000	
	Bills Receivable A/c	Dr.		15,000	
	To Nisha				19,000
	(Partly cash received and partly acceptance received)				
Mar. 02	Bank A/c	Dr.		15,000	
	To Bills Receivable A/c				15,000
	(Bill discounted with bank)				
June 05	Nisha's A/c	Dr.		15,030	
	To Bank A/c				15,030
	(Bill dishonoured and noting exp. paid by Bank)				

Books of Nisha

Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Mar. 2	Purchase A/c	Dr.		19,000	
	To Asha				19,000
	(Goods purchased from Asha)				
Mar. 2	Asha's A/c	Dr.		19,000	
	To Bills Payable A/c				15,000
	To Cash A/c				4,000
	(Cash paid and acceptance given)				
June 5	Bills Payable A/c	Dr.		15,000	
	Noting Charges A/c	Dr.		30	
	To Asha				15,030
	(Acceptance in favour of Asha dishonoured)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 16 2 फरवर्र।, 2016 को वर्मा ने शर्मा से 17,500 ₹ का माल क्रय किया।वर्मा ने 2,500 ₹ का तत्काल भुगतान किया और शेष राशि के लिए 60 दिन की भुगतान अवधि का एक प्रतिज्ञा पत्र लिखा।शर्मा ने अपने लेनदार गुप्ता 'को प्रतिज्ञा-पत्र का बेचान 15,400 ₹ के पूर्ण भुगतान के रूप में किया।परिपक्वता तिथि पर गुप्ता द्वारा विपत्र पेश करने पर उसका अनादरण हुआ।गुप्ता ने 50 रुपये निकराई व्यय किए।उसी दिन गुप्ता ने वर्मा को प्रतिज्ञा-पत्र के अनादरण की सूचना दी।शर्मा ने चेक द्वारा गुप्ता को 15,500 ₹ का भुगतान किया जिसमें निकराई व्यय और ब्याज की राशि शामिल थी।वर्मा ने शर्मा को उक्त राशि का भुगतान चेक से किया।शर्मा, वर्मा और गुप्ता के रोजनामचों में प्रविष्टियाँ कीजिए और वर्मा और गुप्ता का खाता शर्मा की पुस्तक में, शर्मा का खाता वर्मा की पुस्तक में और शर्मा का खाता गुप्ता की पुस्तक में दिखाइए।

उत्तर –

In the Books of Sharma

Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Feb. 2	Verma's A/c	Dr.		17,500	
	To Sales A/c				17,500
	(Goods sold to Verma)				
Feb. 2	Cash A/c	Dr.		15,000	
	Bills Receivable A/c	Dr.		2,500	
	To Verma				17,500
	(Cash and promissory note received from Verma)				
Feb. 2	Gupta's A/c	Dr.		15,400	
	To Bills Receivable A/c				15,000
	To Discount A/c				400
	(P/N endorsed to Gupta in full settlement)				
Apr. 5	Verma's A/c	Dr.		15,050	
	Discount A/c	Dr.		400	
	To Gupta				15,450
	(P/N dishonoured and noting exp. paid by Gupta)				
Apr. 5	Interest A/c	Dr.		50	
	To Gupta				50
	(Interest due to Gupta)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

"	Gupta's A/c Dr.		15,500	
	To Bank A/c			15,500
	(Amount paid to Gupta by Cheque)			
"	Verma's A/c Dr.		450	
	To Interest A/c			450
	(Interest receivable from Verma)			
"	Bank A/c Dr.		15,500	
	To Verma			15,500
	(Cheque received from Verma)			

Dr. **Verma's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 02	To Sales		17,500	Feb. 02	By Cash		2,500
Apr. 05	To Gupta		15,050	"	By Bills Recei.		15,000
Apr. 05	To Interest		450	Apr. 05	By Bank		15,500
			33,000				33,000

Dr. **Gupta's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 02	To Bills Receivable		15,000	Feb. 01	By Balance b/d		15,400
"	To Discount		400	Apr. 05	By Verma's a/c		15,050
Apr. 05	To Bank		15,500	Apr. 05	By Discount		400
				Apr. 05	By Interest		50
			30,900				30,900

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Verma
Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Feb. 2	Purchases A/c	Dr.		17,500	
	To Sharma				17,500
	(Goods purchased from Sharma)				
Feb. 2	Sharma's A/c	Dr.		17,500	
	To Cash A/c				2,500
	To Bills Payable A/c				15,000
	(Cash and promissory note given to Sharma)				
Apr. 05	Bills Payable A/c	Dr.		15,000	
	Noting Charges A/c	Dr.		50	
	To Sharma				15,050
	(Promissory note in favour of Sharma dishonoured)				
Apr. 05	Interest A/c	Dr.		450	
	To Sharma				450
	(Interest due)				
Apr. 05	Sharma's A/c	Dr.		15,500	
	To Bank A/c				15,500
	(Payment made to Sharma)				

Dr. **Sharma's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 02	To Cash		2,500	Feb. 01	By Purchase		17,500
"	To Bills Payable		15,000	Apr. 01	By Bills Payable		15,000
Apr. 05	To Bank		15,500	Apr. 05	By Noting Charge		50
				"	By Interest		450
			33,000				33,000

Books of Gupta
Journal (रोजनामचा)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Feb. 02	Bills Receivable A/c	Dr.		15,000	
	Discount A/c	Dr.		400	
	To Sharma				15,400
	(Promissory note received from Sharma in full payment)				
Apr. 05	Sharma's A/c	Dr.		15,450	
	To Bills Receivable A/c				15,000
	To Discount A/c				400
	To Cash (Noting Charges) A/c				50
	(P/N dishonoured and noting expense paid)				
"	Sharma's A/c	Dr.		50	
	To Interest A/c				50
	(Interest receivable)				
"	Bank A/c	Dr.		15,500	
	To Sharma				15,500
	(Cheque received from Sharma)				

Dr. **Sharma's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 01	To Balance b/d		15,400	Feb. 02	By Bills Recei.		15,000
Apr. 5	To Bills Receivable		15,000	"	By Discount		400
"	To Discount		400	Apr. 06	By Bank		15,500
"	To Cash (Noting Charges)		50				
"	To Interest		50				
			30,900				30,900

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 17 1 मार्च, 2016 को लिलि ने मैथ्यू को 12,000 ₹ का उधार माल बेचा और उक्त राशि के लिए 2 माह की अवधि का एक विपत्र लिखा।लिलि ने तत्काल विपत्र को 9% प्र. व. की दर से भुना लिया।चूंकि परिपक्वता तिथि एक गैर-व्यावसायिक दिवस था अतः लिलि ने विपत्र 1 दिन पूर्व अधिनियम के प्रावधान के अनुसार प्रस्तुत किया।मैथ्यू द्वारा विपत्र अनादृत हुआ और लिलि ने 45 रुपए निकराई के रूप में व्यय किए।पाँच दिनों के पश्चात् मैथ्यू ने चेक द्वारा पूर्ण भुगतान कर दिया जिसमें 12% प्र. व. की दर से ब्याज राशि सम्मिलित थी।उपर्युक्त लेन-देनों की रोचनामचे में

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रविष्टियाँ कीजिए तथा लिलि की पुस्तक में मैथ्यू का खाता और मैथ्यू की पुस्तक में लिलि का खाता बनाइए।

उत्तर –

Books of Lilly
Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016 Mar. 1	Mathew's A/c	Dr.		12,000	
	To Sales A/c				12,000
	(Goods sold to Mathew)				
"	Bills Receivable A/c	Dr.		12,000	
	To Mathew				12,000
	(Received Mathew's acceptance)				
"	Bank A/c	Dr.		11,820	
	Discount A/c	Dr.		180	
	To Bills Receivable A/c				12,000
	(Bill discounted @ 9% p.a. with bank)				
May 3	Mathew's A/c	Dr.		12,045	
	To Bank A/c				12,045
	(Bill dishonoured and noting charges paid)				
May 8	Mathew's A/c	Dr.		272	
	To Interest A/c				272
	(Interest receivable from Mathew @ 12% p.a. on ₹ 12,000 for 69 days)				
May 8	Bank A/c	Dr.		12,317	
	To Mathew				12,317
	(Amount received from Mathew)				

Dr. **Mathew's Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Mar. 1	To Sales a/c		12,000	Mar. 1	By Bills Recei.		12,000
May 3	To Bank		12,045	May 8	By Bank		12,317
May 8	To Interest		272				
			24,317				24,317

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Mathew

Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Mar. 1	Purchases A/c	Dr.		12,000	
	To Lilly				12,000
	(Goods purchased from Lilly)				
"	Lilly's A/c	Dr.		12,000	
	To Bills Payable A/c				12,000
	(Acceptance given to Lilly)				
May 3	Bills Payable A/c	Dr.		12,000	
	Noting Charges A/c	Dr.		45	
	To Lilly's				12,045
	(Acceptance in favour of Lilly dishonoured)				
May 8	Interest A/c	Dr.		272	
	To Lilly				272
	(Interest payable to Lilly)				
"	Lilly's A/c	Dr.		12,317	
	To Bank A/c				12,317
	(Payment made to Lilly)				

Dr. **Lilly's Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Mar. 1	To Bills Payable		12,000	Mar. 1	By Purchases		12,000
May 8	To Bank		12,317	May 3	By Bills Payable		12,000
				"	By Noting Char.		45
				May 8	Interest		272
			24,317				24,317

प्रश्न 18 दिनांक 1.2.2016 को कपिल ने गौरव से 21,000 ₹ का उधार माल खरीदा और उक्त राशि के लिए गौरव ने कपिल पर एक विपत्र लिखा। विपत्र एक माह की अवधि पर देय था। दिनांक

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

25.2.2016 को गौरव ने विपत्र संग्रह हेतु बैंक भेजा।परिपक्वता तिथि पर बैंक ने नियमानुसार विपत्र पेश किया जिसे कपिल ने अनादृत किया।बैंक ने 100 ₹ निकराई व्यय किए।कपिल और गौरव की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर –

Books of Gaurav
Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Feb. 01	Kapil's A/c	Dr.		21,000	
	To Sales A/c				21,000
	(Goods sold to Kapil)				
Feb. 01	Bills Receivable A/c	Dr.		21,000	
	To Kapil				21,000
	(Received Kapil's acceptance)				
Feb. 25	Bill sent for Collection A/c	Dr.		21,000	
	To Bills Receivable A/c				21,000
	(Bill sent for collection)				
Mar. 4	Kapil's A/c	Dr.		21,100	
	To Bill sent for Collection A/c				21,000
	To Bank A/c				100
	(Bill dishonoured and noting exp. paid by Bank)				

Journal in Books of Kapil
Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Feb. 01	Purchases A/c	Dr.		21,000	
	To Gaurav				21,000
	(Goods purchased from Gaurav)				
Feb. 01	Gaurav's A/c	Dr.		21,000	
	To Bills Payable A/c				21,000
	(Acceptance given to Gaurav)				
Mar. 4	Bills Payable A/c	Dr.		21,000	
	Noting Charges A/c	Dr.		100	
	To Gaurav				21,100
	(Acceptance in favour of Gaurav dishonoured)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 19 14.2.2016 को रश्मि ने 7,500 रुपये का माल अलका को बेचा।अलका ने 500 ₹ का नकद भगतान किया और शेष राशि के लिए दो माह की अवधि का विनिमय विपत्र स्वीकार किया।10.4.2016 को अलका ने रश्मि से विपत्र रद्द करने का अनुरोध किया।अलका ने दोबारा रश्मि को 2,000 ₹ नकद स्वीकार और नया विपत्र लिखने का अनुरोध किया जिसमें 500 ₹ की ब्याज राशि सम्मिलित है।रश्मि ने अलका का अनुरोध स्वीकार करते हुए 2 माह की अवधि के लिए देय राशि का एक नया विपत्र लिखा।विपत्र का भुगतान परिपक्वता तिथि पर पूर्णतः कर दिया गया।रश्मि और अलका की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए तथा अलका की पुस्तकों में रश्मि का खाता और रश्मि की पुस्तकों में अलका का खाता बनाइए।

उत्तर –

Journal in the Books of Rashmi
रश्मि की पुस्तक में रोजनामचा

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Feb. 14	Alka's A/c	Dr.		7,500	
	To Sales A/c				7,500
	(Goods sold to Alka)				
"	Cash A/c	Dr.		500	
	Bills Receivable A/c	Dr.		7,000	
	To Alka				7,500
	(Cash and acceptance of bill received from Alka)				
Apr. 10	Alka's A/c	Dr.		7,000	
	To Bills Receivable A/c				7,000
	(Acceptance cancelled)				
"	Cash A/c	Dr.		2,000	
	To Alka				2,000
	(Cash received from Alka)				
"	Alka's A/c	Dr.		500	
	To Interest A/c				500
	(Interest due)				
"	Bills Receivable A/c	Dr.		5,500	
	To Alka				5,500
	(New acceptance received from Alka)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

June 13	Cash A/c	Dr.		5,500	
	To Bills Receivable A/c				5,500
	(Amount of new bill received)				

Dr. **Alka's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 14	To Sales a/c		7,500	Feb. 14	By Cash		500
Apr. 10	To Bills Recei.		7,000	"	By Bills Recei.		7,000
"	To Interest		500	Apr. 10	By Cash		2,000
				June 13	By Bills Recei.		5,500
			15,000				15,000

Journal in the Books of Alka

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Feb. 14	Purchases a/c	Dr.		7,500	
	To Rashmi's a/c				7,500
	(Goods purchased from Rashmi)				
"	Rashmi's a/c	Dr.		7,500	
	To Cash a/c				500
	To Bills Payable a/c				7,000
	(Cash and acceptance given to Rashmi)				
Apr. 10	Bills Payable a/c	Dr.		7,000	
	To Rashmi's a/c				7,000
	(Acceptance cancelled)				
"	Rashmi's a/c	Dr.		2,000	
	To Cash a/c				2,000
	(Cash paid to Rashmi)				
"	Interest a/c	Dr.		500	
	To Rashmi's a/c				500
	(Interest due)				
Apr. 10	Rashmi's a/c	Dr.		5,500	
	To Bills Payable a/c				5,500
	(New acceptance given to Rashmi)				
June 13	Bills Payable a/c	Dr.		5,500	
	To Cash a/c				5,500
	(Amount of New bill paid)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Rashmi's Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Feb. 14	To Cash		500	Feb. 14	By Purchases		7,500
"	To Bills Payable		7,000	Apr. 10	By Bills Payable		7,000
Apr. 10	To Cash		2,000	"	By Interest		500
"	To Bills Payable		5,500				
			15,000				15,000

प्रश्न 20 1.12.2016 को निखिल ने अखिल को 23,000 ₹ का उधार माल बेचा और अखिल पर 2 माह की अवधि, के लिए एक विपत्र लिखा। अखिल ने विपत्र स्वीकार किया और निखिल को वापिस भेज दिया। निखिल ने विपत्र को बैंक से 12% प्रति वर्ष की दर से भुनाया। देय तिथि पर अखिल ने विनिमय विपत्र को अनादृत किया और बैंक ने 100 ₹ निकराई व्यय के रूप में खर्च किए। अखिल ने निखिल से 10% ब्याज की दर सहित नया विपत्र लिखने का अनुरोध किया। नया विपत्र 2 माह की अवधि के लिए लिखा गया। परिपक्वता तिथि से 1 सप्ताह पूर्व, अखिल ने निखिल से नया विपत्र रद्द करने का अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त अखिल ने निखिल से 10,000 ₹ नकद स्वीकार करने और शेष राशि के लिए तीसरा विपत्र 500 ₹ की ब्याज राशि सहित लिखने का अनुरोध किया, जिसे निखिल ने स्वीकार कर लिया। तीसरा विपत्र 1 माह की अवधि पर देय था। अखिल ने इस विपत्र का भुगतान परिपक्वता तिथि पर किया। अखिल और निखिल की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए और निखिल का खाता अखिल की पुस्तकों में और अखिल का खाता निखिल की पुस्तकों में दर्शाइए।

उत्तर –

Books of Nikhil

Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016				
Dec. 1	Akhil's a/c Dr.		23,000	
	To Sales a/c			23,000
	(Goods sold to Akhil)			

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dec. 1	Bill Receivable a/c	Dr.	23,000	
	To Akhil's a/c			23,000
	(Received Akhil's acceptance)			
"	Bank a/c	Dr.	22,540	
	Discount a/c	Dr.	460	
	To Bill Receivable a/c			23,000
	(Bill discounted with bank)			
2017				
Feb. 4	Akhil's a/c	Dr.	23,100	
	To Bank a/c			23,100
	(Bill dishonoured and noting expense paid by bank)			
"	Akhil's a/c	Dr.	385	
	To Interest a/c			385
	(Interest due)			
"	Bill Receivable a/c	Dr.	23,485	
	To Akhil's a/c			23,485
	(New acceptance received)			
Apr. 1	Akhil's a/c	Dr.	23,485	
	To Bill Receivable a/c			23,485
	(New bill cancelled)			
Apr. 11	Cash a/c	Dr.	10,000	
	To Akhil's a/c			10,000
	(Cash received from Akhil)			
				Cont.....
"	Akhil's a/c	Dr.	500	
	To Interest a/c			500
	(Interest due)			
"	Bill Receivable a/c	Dr.	13,985	
	To Akhil's a/c			13,985
	(New acceptance received)			
May 4	Cash a/c	Dr.	13,985	
	To Bill Receivable a/c			13,985
	(Amount of bill received on due date)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Akhil's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Dec. 1	To Sales a/c		23,000	Dec. 1	By Bills Recei.		23,000
2017				2017			
Feb. 4	To Bank		23,100	Feb. 4	By Bills Recei.		23,485
"	To Interest		385	April 1	By Cash		10,000
Apr. 1	To Bills Recei.		23,485	"	By B/R		13,985
"	To Interest		500				
			70,470				70,470

Books of Akhil
Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016				
Dec. 1	Purchases a/c Dr.		23,000	
	To Nikhil's a/c			23,000
	(Goods purchased from Nikhil)			
"	Nikhil's a/c Dr.		23,000	
	To Bill Payable a/c			23,000
	(Acceptance given to Nikhil)			
2017				
Feb. 04	Bill Payable a/c Dr.		23,000	
	Noting Charges a/c Dr.		100	
	To Nikhil's a/c			23,100
	(Bill dishonoured and noting expense payable)			
"	Interest a/c Dr.		385	
	To Nikhil's a/c			385
	(Interest due)			
				Cont.....
"	Nikhil's a/c Dr.		23,485	
	To Bill Payable a/c			23,485
	(New acceptance given to Nikhil)			
April 1	Bill Payable a/c Dr.		23,485	
	To Nikhil's a/c			23,485
	(Acceptance cancelled)			
April 1	Nikhil's a/c Dr.		10,000	
	To Cash a/c			10,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	(Cash paid to Nikhil)			
April 1	Interest a/c	Dr.	500	
	To Nikhil's a/c			500
	(Interest due)			
April 1	Nikhil's a/c	Dr.	13,985	
	To Bill Payable a/c			13,985
	(New acceptance given to Nikhil)			
May 4	Bill Payable a/c	Dr.	13,985	
	To Cash a/c			13,985
	(Amount of bill paid on due date)			

Dr. **Nikhil's A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016				2016			
Dec. 1	To Bill Payable		23,000	Dec. 1	By Purchases		23,000
2017				2017			
Feb. 4	To Bill Payable		23,485	Feb. 4	By Bill Payable		23,000
Apr. 1	To Cash		10,000	"	By Noting Charge		100
"	To Bill Payable		13,985	"	By Interest		385
				April 1	By Bill Payable		23,485
				"	By Interest		500
			70,470				70,470

प्रश्न 21 1 जनवरी, 2016 को विभा ने सुधा को 18,000 ₹ का माल बेचा और सुधा पर 2 माह की अवधि के लिए एक विपत्र लिखा।विपत्र पर सुधा ने अपनी स्वीकृति दी और विभा को लौटा दिया।विभा ने तत्काल इस विपत्र को अपनी एक लेनदार गीता के नाम पर बेचान किया।किसी कारणवश सुधा ने विभा से विपत्र रद्द करने और 200₹ की ब्याज राशि सहित एक नया विपत्र लिखने का अनुरोध किया।विभा ने सुधा के अनुरोध को स्वीकार कर लिया।विभा ने गीता से विपत्र वापिस ले लिया तथा गीता को नकद भुगतान कर विपत्र रद्द कर दिया।इसके पश्चात् विभा ने सुधा पर एक नया विपत्र लिखा।इस विपत्र की अवधि एक माह थी।नया विपत्र का सुधा द्वारा परिपक्वता तिथि पर भुगतान कर दिया गया।. विभा की पुस्तक में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर – Journal in Books of Vibha विभा की पुस्तकों में रोजनामचा:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 1	Sudha's a/c	Dr.		18,000	
	To Sales a/c				18,000
	(Goods sold to Sudha)				
"	Bill Receivable a/c	Dr.		18,000	
	To Sudha's a/c				18,000
	(Received Sudha's acceptance)				
"	Geeta's a/c	Dr.		18,000	
	To Bill Receivable a/c				18,000
	(Bill endorsed to Geeta)				
Mar. 4	Sudha's a/c	Dr.		18,000	
	To Geeta's a/c				18,000
	(Bill cancelled)				
"	Geeta's a/c	Dr.		18,000	
	To Cash a/c				18,000
	(Cash paid to Geeta)				
"	Sudha's a/c	Dr.		200	
	To Interest a/c				200
	(Interest receivable from Sudha)				
"	Bill Receivable a/c	Dr.		18,200	
	To Sudha's a/c				18,200
	(New acceptance received from Sudha)				
April 7	Cash a/c	Dr.		18,200	
	To Bill Receivable a/c				18,200
	(Amount of bill received on due date)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 22 1 जनवरी, 2016 को गौतम के लेनदारों और देनदारों का विवरण निम्न प्रकार था:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

बाबू	देनदार ₹	लेनदार ₹
चन्द्रकला	5,000	
किरण	8,000	-
अनिता	13,500	5,000
अंजू .	14,000	12,000
शीबा	-	6,000
मंजू	-	-

जनवरी माह में निम्न लेन-देन किए गए:

2 जनवरी 4,800 ₹ के पूर्ण भुगतान के लिए बाबू पर दो माह की अवधि के लिए एक विपत्र लिखा।बाबू ने विपत्र स्वीकार कर 05 - 01 - 6 को लौटा दिया।

4 जनवरी बाबू के विपत्र को 4,750 ₹ पर भुना लिया गया।

8 जनवरी चन्द्रकला ने 3 माह की अवधि के लिए 8,000 ₹ की राशि का प्रतिज्ञा-पत्र लिखा।

10 जनवरी चन्द्रकला के प्राप्त प्रतिज्ञा-पत्र को 7,900 ₹ पर भुना लिया गया।

12 जनवरी आगामी दो माह पर देय तिथि के लिए शीबा का ड्राफ्ट स्वीकृत।

22 जनवरी आगामी 2 माह की देय तिथि के लिए अनिता से प्रतिज्ञा-पत्र प्राप्त।

23 जनवरी अनिता से प्राप्त प्रतिज्ञा-पत्र का मंजू को बेचान।

25 जनवरी आगामी तीन माह की देय तिथि के लिए अंजू का ड्राफ्ट स्वीकार।

29 जनवरी किरण ने 2,000 ₹ का नकद भुगतान किया और शेष राशि के लिए 3 माह पर देय एक प्रतिज्ञा पत्र भेजा।उपर्युक्त लेन-देन का उपयुक्त सहायक पुस्तकों में अभिलेखन कीजिए।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Gautam

Bills Receivable Book

प्राप्य विपत्र पुस्तक

क्र. सं. S. No.	प्राप्त तिथि Date of Rec.	किससे प्राप्त हुआ From Whom Received	लेखक Drawer	स्वीकार-कर्त्ता Acceptor	अवधि Term	देय तिथि Due Date	L. F.	राशि Amount ₹	टिप्पणी Remarks
	2016								
1.	5 Jan.	Babu	Self	Babu	2 Months	5.3.16		4,800	
2.	8 Jan.	Chandra-Kala	Chandra-Kala	Promis-sory Note	3 Months	11.4.16		8,000	
3.	22 Jan.	Anita	Anita	"	2 Months	25.3.16		14,000	
4.	29 Jan.	Kiran	Kiran	"	3 Months	2.5.16		11,500	
	–	–	–	–	–	–		38,300	–

देय विपत्र पुस्तक का प्रारूप

Bills Payable Book

क्र. सं. S. No.	विपत्र की तिथि Date of Bill	किसे दिया गया To Whom Given	लेखक Drawer	पाने वाला To Whom Payable	अवधि Term	देय तिथि Due Date	L. F.	राशि Amount ₹	टिप्पणी Remarks
1.	12.1.16	Sheiba	Sheiba	–	2 Months	15.3.16		12,000	–
2.	25.1.16	Aanju	Aanju	–	3 Months	28.4.16		5,000	–
								17,000	

Journal Proper

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016 Jan. 2	Discount a/c Dr.		200	
	To Babu			200
	(Discount allowed on receipt of B/R)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Jan. 4	Bank a/c	Dr.		4,750	
	Discount a/c	Dr.		50	
	To Bills Receivable				4,800
	(Bill received from Babu discounted with Bank)				
Jan. 10	Bank a/c	Dr.		7,900	
	Discount a/c	Dr.		100	
	To Bills Receivable				8,000
	(P/N of Chandrakala discounted with Bank)				
Jan. 23	Manju	Dr.		14,000	
	To Bills Receivable				14,000
	(Anita's P/N endorsed to Manju)				

प्रश्न 23 1 जनवरी, 2016 को हर्ष ने एक माह की समयावधि के लिए 10,000 रुपये का तनु द्वारा लिखा एक विपत्र स्वीकृत किया।उसी दिन तनु ने विपत्र को 8% प्रतिवर्ष की दर से भुनवाया।देय तिथि पर तनु द्वारा विपत्र प्रकट किए जाने पर हर्ष द्वारा सम्पूर्ण भुगतान कर दिया गया।तनु और हर्ष की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

Journal in the Books of Tanu
तनु की पुस्तकों में रोजनामचा

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 1	Bill Receivable a/c	Dr.		10,000	
	To Harsh's a/c				10,000
	(Received Harsh's acceptance)				
"	Bank a/c	Dr.		9,933	
	Discount a/c	Dr.		67	
	To Bill Receivable a/c				10,000
	(Bill discounted with bank)				
Feb. 4	Harsh's a/c	Dr.		10,000	
	To Bank a/c				10,000
	(Cheque sent to Harsh for honouring the bill)				

Journal in the Books of Harsh
हर्ष की पुस्तकों में रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2016					
Jan. 1	Tanu's a/c	Dr.		10,000	
	To Bill Payable a/c				10,000
	(Acceptance given to Tanu)				
Feb. 4	Bank a/c	Dr.		10,000	
	To Tanu's a/c				10,000
	(Cheque received from Tanu)				
Feb. 4	B/P a/c	Dr.		10,000	
	To Bank a/c				10,000
	(Amount of bill paid on due date)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)